www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

कुछ लोग आपसे इसलिए भी ईर्ष्या करने लग जाते हैं क्योंकि आपकी सही बात उन्हें कड़वी लग जाती है

जय श्री राम
Yogi 8156045100 | Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-16 ❖ मुंबई ❖ रविवार 11 से 17 अप्रैल 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
एंटीलिया के बाहर जिलेटिन....मुकेश अंबानी को धमकी...फिर एक एनकाउंटर की थी तैयारी, जाने सचिन वझे का क्या था प्लान

पेज 5
नाइट कर्फ्यू के बाद दिल्ली में जल्द लगाए जाएंगे नए प्रतिबंध, जानें लॉकडाउन पर क्या बोले केजरीवाल?

पेज 7
एआर रहमान ने एंकर के हिंदी बोलने पर किया था 'ट्रोल', अब सफाई में बोले- 'वह मजाक था'

पेज 8
मुख रुपी द्वार का द्वारपाल हरि नाम है।

थोड़ी तकलीफ सहनी होगी

समझिए महाराष्ट्र में लॉकडाउन पर क्या फैसला लेंगे उद्धव

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना महामारी ने एक तरह से तांडव मचा रखा है। शनिवार को वीकेंड लॉकडाउन का पहला दिन था लेकिन अब तो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कंपलीट लॉकडाउन के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। लेकिन यह फैसला इतना आसान भी नहीं है। पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस संपूर्ण लॉकडाउन जैसे फैसले के खिलाफ सरकार को चेता रहे हैं। राज्य में कोरोना के हालात पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में उद्धव ने कहा कि इधर कुआं, उधर खाई जैसी स्थिति है। लेकिन कड़े फैसले करने पड़ेंगे। थोड़ी तकलीफ तो सहनी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सख्ती और छूट दोनों एक साथ होना मुश्किल है। 2 दिन में फैसले का ऐलान करेंगे। रविवार को राज्य कोविड टास्क फोर्स की इमर्जेंसी मीटिंग भी बुला ली गई है।

शनिवार को हुई सर्वदलीय बैठक से एक बात साफ हो गई है कि सरकार संपूर्ण लॉकडाउन पर गंभीरता से विचार कर रही है। लेकिन मीटिंग में लॉकडाउन पर आम सहमति नहीं बन पाई। फडणवीस ने इसका जोरदार विरोध किया। इस दौरान संभावित लॉकडाउन को लेकर अलग-अलग फॉर्म्युले आए। किसी ने 7 दिनों के लॉकडाउन का सुझाव दिया तो किसी ने 14 दिनों का। सरकार के सामने वाकई आगे कुंआ, पीछे खाई जैसी स्थिति है। लॉकडाउन नहीं लगाया तो

महामारी और विकराल होती जाएगी और लगाया तो रोजी-रोजगार पर संकट होगा। गरीबों की तो जान पर बन आएगी। महाराष्ट्र में कंपलीट लॉकडाउन लगेगा या नहीं, इसका जवाब दो दिन में मिल जाएगा। अगर लगता है तो उसका फॉर्म्युला क्या हो सकता है, कितने दिनों के लिए हो सकता है, इसका कुछ-कुछ अंदाजा शनिवार की मीटिंग में नेताओं के सुझावों से जरूर मिल रहा है। सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य की परिस्थिति ठीक नहीं है और लॉकडाउन के अलावा अभी कोई दूसरा विकल्प नहीं दिख रहा है। बड़ी तादाद में युवा संक्रमित हो रहे हैं। वैक्सीन लेने के बाद भी लोग संक्रमित हो रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि वह खुद वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं लेकिन ऐंटीबॉडी नहीं बना है। कड़े फैसले लेने का वक्त है, कोई और विकल्प नहीं है। सीएम ने कहा कि 15 से 20 अप्रैल के बीच हालात काफी खराब हो सकते हैं। सीएम ठाकरे ने कहा कि 7 से 14 दिन का सख्त लॉकडाउन बेहद जरूरी है। उसके बाद धीरे-धीरे लॉकडाउन में ढील दी जा सकती है। देवेंद्र फडणवीस ने इसका तीखा विरोध किया। कहा कि लोग जिएंगे कैसे। लोगों का पिछला साल खराब हो चुका है और अगर लॉकडाउन लगाया गया तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ेगा। कांग्रेस के अशोक चव्हाण ने कहा कि लॉकडाउन जरूरी हो तो लगाइए लेकिन गरीबों का भी विचार होना चाहिए। कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। उद्धव ने जब मेडिकल एजुकेशन डायरेक्टर तात्याराव लहाने से लॉकडाउन पर राय पूछी तो उनका जवाब था कि यह कम से कम 14 दिनों का होना चाहिए। महामारी से कहीं ज्यादा घातक उसे रोकने का उपाय न हो जाए, यही चीज डर पैदा कर रही है। पिछले देशव्यापी लॉकडाउन के कड़वे अनुभवों के बाद फिर से उस तरह का फैसला लेना बहुत कठिन है। लिहाजा अगर लॉकडाउन लगाया जाता है तो राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी कि प्रवासी मजदूरों के सामूहिक पलायन जैसी त्रासदी फिर न हो। राशन, पानी और सिर पर एक अदद छाव के लिए लाले न पड़ें।

निलंबन की लटकी तलवार!

परमबीर सिंह की बढ़ी मुश्किलें

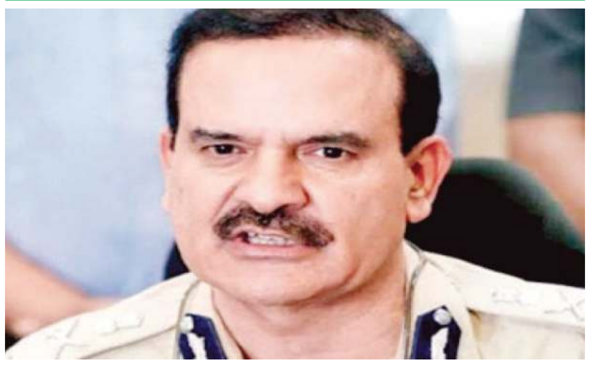

मुंबई, एंटीलिया कांड में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा सचिन वाझे की गिरफ्तारी के बाद एनआईए परमबीर सिंह से भी पूछताछ कर रही है। अब उनकी मुश्किलें और भी बढ़नेवाली है क्योंकि विश्वनीय सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि राज्य के गृह मंत्रालय ने परमबीर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि गृह मंत्रालय द्वारा यह आदेश एक अप्रैल को जारी किया गया था। इस मामले की जांच की जिम्मेदारी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संजय पांडेय को सौंपी गई है। जब ऑर्डर जारी किया गया था, उस समय गृहमंत्री अनिल देशमुख ही थे।

रेमडेसिवीर पर मंथन!

कंट्रोल रुम से होगा कालाबाजारी पर कंट्रोल

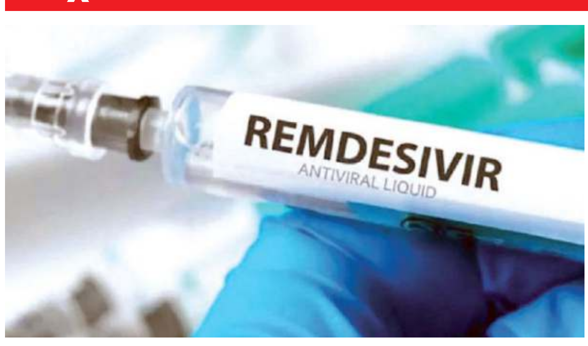

मुंबई, मुंबई सहित राज्य में कोरोना संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। वैक्सीन और ऑक्सीजन की कमी के साथ ही कोरोना के इलाज में इस्तेमाल होनेवाले रेमडेसिवीर इंजेक्शन की किल्लत देखी जा रही है। इसकी कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। शिकायतों के बाद इस पर गंभीरता से मंथन किया गया। रेमडेसिवीर की कालाबाजारी पर कंट्रोल लाने के लिए राज्य के सभी जिलों में कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार गंभीर

मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य सेवा आयुक्त डॉ. रामास्वामी एन. ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को कंट्रोल रूम बनाने का निर्देश दिया है। कोरोना संक्रमण के कारण लगातार रेमडेसिवीर इंजेक्शन की मांग बढ़ रही है। इंजेक्शन की किल्लत होने के कारण इसकी कालाबाजारी हो रही है। निजी दवा दुकानदार महंगी कीमत पर इंजेक्शन बेच रहे हैं। इंजेक्शन की कालाबाजारी करने के आरोप में कुछ लोगों पर कार्रवाई भी की गई है। महाराष्ट्र सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है।

एफडीए की देखरेख में चलेगा कंट्रोल रूम

जिलों में स्थापित किए जानेवाले कंट्रोल रूम के माध्यम से रेमडेसिवीर के संबंध में शिकायतें दर्ज की जाएंगी। प्राप्त होनेवाली शिकायतों के आधार पर स्थानीय अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) कार्यालय के माध्यम से उसका समाधान निकाला जाएगा। जिलास्तर पर तकनीकी समिति गठित करके उसके माध्यम से रैंडम पद्धति से निजी अस्पतालों में रेमडेसिवीर का उपयोग अच्छे तरीके से हो रहा है या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। रेमडेसिवीर की आवश्यकता पड़ने पर राज्य स्तर पर एफडीए के कंट्रोल रूम से संपर्क करके कार्रवाई की जाएगी।

गंभीर मरीजों को अस्पताल में जगह दें

पीपीई किट में सीधे अस्पतालों में पहुंची महापौर

मुंबई, कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में मरीजों की बढ़ती संख्या और उनकी समस्या पर लगातार मिल रही शिकायतों को लेकर महापौर किशोरी पेडणेकर ने शनिवार को कई निजी कोरोना अस्पतालों का दौरा किया। किशोरी पेडणेकर ने इस मौके पर कहा कि वास्तव में बिना लक्षणवाले मरीज अस्पतालों में बेड्स पर भर्ती हो गए हैं, इसकी वजह से गंभीर मरीजों को बेड्स की समस्या हो रही है।

इसके लिए अस्पतालों को ही आगे आना होगा, जिन्हें कोरोना के लक्षण नहीं हैं अथवा मामूली लक्षण हैं, ऐसे मरीजों को घर पर ही इलाज की सलाह दें और बेड्स गंभीर अवस्थावाले मरीजों को प्रदान करें। इस मौके पर महापौर ने कुछ निजी अस्पतालों में सामान्य बेड्स की संख्या बढ़ाने तथा ऑक्सीजन और वेंटिलेटर बेड्स मुहैया कराने को लेकर प्रबंधन से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि कोरोना मरीजों की समस्या का निवारण करना हमारी प्राथमिकता है, इसके लिए अस्पताल प्रबंधकों को पूरा सहयोग किया जाएगा। महापौर अस्पतालों के प्रबंधन से मुलाकात के बाद पीपीई किट पहनकर सीधे कोरोना मरीजों से मिलने पहुंच गईं।

हंगामे के बाद मनपा को मिले 99,000 कोरोना के टीके

मुंबई, दो दिन मुंबई में कोरोना टीका की अनुपलब्धता को लेकर समस्या का सामना कर रही मनपा को अंतत:

शुरू होगी टीकाकरण प्रक्रिया

राहत मिली है। मनपा को शनिवार सुबह ६ बजे केंद्र की ओर से भेजी गई ९९ हजार कोरोना टीका की खेप प्राप्त हुई। अब रविवार से पुन: कोरोना केंद्रों पर टीकाकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकारी और निजी कोरोना टीकाकरण केंद्रों पर लोग सुबह ९ बजे से शाम ५ बजे तक टीका ले सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि कोरोना टीका की अनुपलब्धता के चलते शुक्रवार देर रात तक ७१ कोरोना टीकाकरण केंद्र बंद हो गए थे, वहीं शनिवार को मात्र गिने चुने टीकाकरण केंद्रों पर ही सीमित संख्या में टीका दिया गया लेकिन शनिवार सुबह मनपा के पास कोरोना टीका की खेप पहुंच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरोना महामारी के खिलाफ टीकों की कमी को लेकर जारी हंगामे के बीच ९९,००० कोविशील्ड खुराक मनपा को प्राप्त हुई। इस बात की पुष्टि करते हुए अधिकारियों ने कहा कि रविवार से पुन: लोगों को कोरोना टीका देने की प्रक्रिया शुरू होगी। एक अधिकारी ने बताया कि ये खेप के अलावा कोविशील्ड टीका की और खेप आनेवाली है। फिलहाल जो खेप आई है, वह पर्याप्त नहीं है। यह ज्यादा से ज्यादा दो दिनों की खेप है। बता दें कि पिछले दो दिनों से मुंबई सहित राज्य में कोरोना टीका की खेप कम होने के साथ ही जमकर हंगामा हुआ। राज्य सरकार ने केंद्र पर तंज भी कसे, जिसके बाद सकते में आई केंद्र सरकार ने आनन-फानन में कोरोना टीका की खेप मुंबई पहुंचाई है।

कोरोना के रेकॉर्ड मामले, दिल्ली सरकार ने जारी की नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने नई पाबंदियां लागू की हैं। नई गाइडलाइंस के अनुसार दिल्ली सरकार ने सभी तरह के सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक सभाओं पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय एवं वैश्विक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के उद्देश्य को छोड़कर दिल्ली में स्वीमिंग पुल भी बंद रहेंगे। नई गाइडलाइंस के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अंतिम संस्कार में 20 लोगों से अधिक के शामिल होने की इजाजत नहीं, विवाह कार्यक्रम में 50 व्यक्ति तक शामिल हो सकते हैं। डीडीएमए ने कहा कि दिल्ली में रेस्तरां, बार को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित करने की अनुमति दी जाती है। इसके अलावा डीडीएमए ने कहा कि दिल्ली में कॉलेज, कोचिंग संस्थान बंद रहेंगे। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो, डीटीसी एवं क्लस्टर बसें 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित होंगी।

महाराष्ट्र से दिल्ली आ रहे तो ध्यान दें....

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने शनिवार को सख्त पाबंदियों की घोषणा की। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) ने कहा कि महाराष्ट्र से विमान के जरिए दिल्ली आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी होगी और नेगेटिव रिपोर्ट नहीं होने पर 14 दिवसीय पृथक-वास में रहना होगा।

दिल्ली में 24 घंटे में 7897 मामले

इन गाइडलाइंस के अलावा महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के रेकॉर्ड मामले आने के बाद अब महाराष्ट्र से विमान से दिल्ली आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी कर दी गई है। अगर किसी यात्री के पास निगेटिव रिपोर्ट नहीं हुई तो 14 दिन क्वारंटीन होना होगा। दिल्ली में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 7,897 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,14,423 हो गई। इसके अलावा संक्रमण के चलते 39 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 11,235 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। दिल्ली में संक्रमण दर भी इस साल पहली बार दस प्रतिशत को पार कर 10.21 फीसदी हो गई है।

डीआरडीओ ने संभाली कमान

कोरोना को हराने के लिए राजधानी दिल्ली में अब डीआरडीओ भी कूद गया है। डीआरडीओ की ओर से कहा गया है कि अगले रविवार तक आईसीयू सुविधाओं से लैस 500 बेड का कोविड अस्पताल बना दिया जाएगा। 250 बेड वाला अस्पताल तो 7 दिन में ही तैयार हो सकता है। इस अस्पताल में सैन्य और अर्धसैनिक बलों के डॉक्टर इलाज करेंगे।

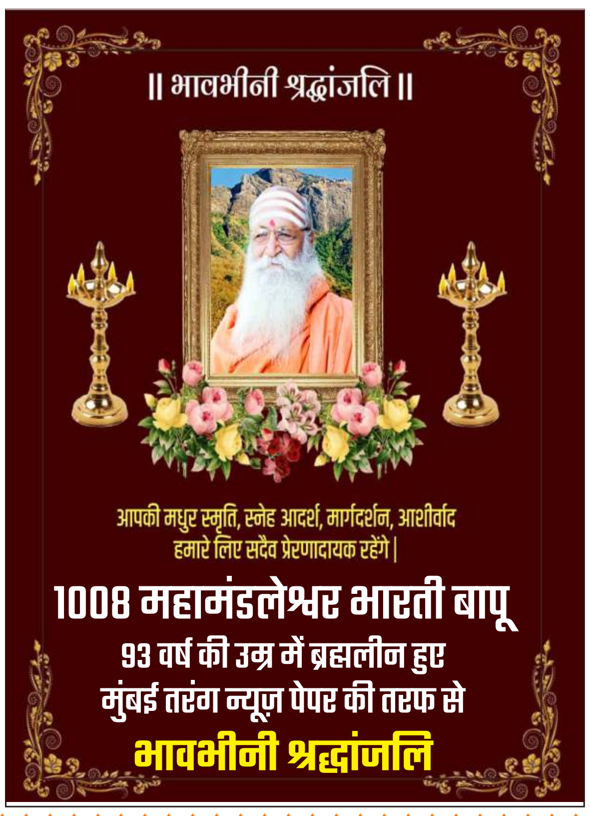

छापों में राजनीति का रंग

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए होने वाले मतदान के ठीक पहले डीएमके नेता एमके स्टालिन की बेटी, पार्टी के अन्य नेताओं और उनसे जुड़े लोगों पर आयकर विभाग के छापे पड़े। इससे एक बार फिर यह आरोप लगाया जा रहा है कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अपने राजनीतिक हित साधने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इस आरोप के जवाब में कहा जा सकता है कि अगर किसी के खिलाफ शिकायतें आती हैं और कोई एजेंसी जांच शुरू करती है तो फिर उस प्रक्रिया को किसी भी बात से क्यों प्रभावित होना चाहिए। अगर बीच में कोई चुनाव वगैरह आ जाते हैं तो क्या सिर्फ इसीलिए वह जांच रोक दी जाए? 'कानून को अपना काम करने देना चाहिए' का बहुप्रचारित तर्क इस सवाल का जवाब ना में देता है और सत्तारूढ़ दल आम तौर पर विरोधियों की आलोचना को शांत करने के लिए इसी का इस्तेमाल करते आए हैं। बात तो

यह भी सही है कि इन एजेंसियों का दुरुपयोग कोई आज से शुरू नहीं हुआ है। कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान ही सीबीआई को 'पिंजरे के तोते' का 'तमगा' मिला था। लेकिन बीजेपी के नेतृत्व में केंद्र में एनडीए सरकार बनने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यह पुरानी रीत बदलेगी। मगर देखने में यह आया कि ऐसी शिकायतें कम होने के बजाय और बढ़ गईं।

कुछ अरसा पहले की ही बात है। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार अंदरूनी चुनौतियों की वजह से संकट में थी। तभी गहलोत के करीबी नेताओं पर आयकर विभाग के छापे पड़ने लगे। और बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। इस मुद्दे पर केंद्र और राज्यों के बीच टकराव तक हो चुके हैं। कुछ राज्य बगैर इजाजत सीबीआई के अपने यहां आने पर पाबंदी लगा चुके हैं। यह बात भी छिपी नहीं है कि राजनीति में आरोपों का जवाब आरोपों से देकर काम चला लिया जाता है। लेकिन यहां मूल सवाल राजनीति का नहीं, देश की जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का है। हमारी जांच एजेंसियां ठीक से जांच करके वास्तविक दोषियों तक पहुंचें और उन्हें कानून के मुताबिक सजा दिलाएं, यह जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह भी है कि वे ऐसा करते हुए नजर आएं। इससे उनके तौरतरीकों और नीयत को लेकर किसी के मन में संदेह नहीं रह जाएगा। अब अगर यह मान भी लें कि तमिलनाडु में जिन मामलों में शुक्रवार को छापे मारे गए, वे सचमुच गंभीर थे, तब भी यह सवाल बना रहता है कि क्या ये मामले ऐसे थे कि दो-तीन दिन रुक जाने से जांच पटरी से उतर जाती? क्या छह अप्रैल को मतदान हो जाने का इंतजार ये अफसर नहीं कर सकते थे ताकि इन छापों को राजनीतिक रंग देने की कोई गुंजाइश ही न बचती?

मौसम के बदले तेवर

किरीट ए. चावड़ा

मौसम की गर्मी ने इस साल अभी से अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग ने शनिवार तीन अप्रैल को लू चलने की चेतावनी दी है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश सहित दस राज्यों में अलर्ट जारी की गई है। इससे पहले मार्च महीने का औसत अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से साढ़े तीन डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसे पिछले 11 सालों में सबसे गर्म मार्च बताया गया है। होली के दिन तो पारे ने 76 साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी दिल्ली में उस दिन अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो उसे 31 मार्च 1945 के बाद से दिल्ली में मार्च का सबसे गर्म दिन बनाता है।

बहरहाल, यह तो शुरुआत है। इस समय आम तौर पर देश में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है जबकि राजस्थान के कई इलाकों में पारा 40 पार कर चुका है और मौसम विभाग लू के थपेड़ों को लेकर आगाह कर रहा है। तकनीकी शब्दावली में, तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री बढ़ जाए तो उसे हीटवेव या लू कहा जाता है और सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाए तो वह सीवियर हीटवेव की स्थिति मानी जाती है। तापमान में अचानक

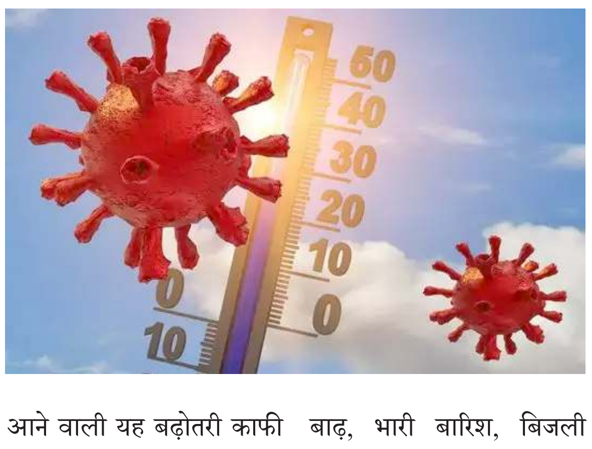

आने वाली यह बढ़ोतरी काफी हानिकारक होती है। इससे मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

कोरोना महामारी ने पिछले करीब साल भर से न केवल आम लोगों को बल्कि हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र को असाधारण तनाव में रखा है। ऐसे में मौसमी उतार-चढ़ाव से उपजी सामान्य बीमारियां भी एक हद से ज्यादा बढ़ीं तो यह देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है। तापमान में बढ़ोतरी का यह ट्रेंड नया नहीं है। 2020 भी पिछले 119 बरसों में आठवां सबसे गर्म साल था।

बाढ़, भारी बारिश, बिजली गिरने, कोल्ड वेव और हीट वेव जैसी एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स के लिहाज से कौन-सा देश कितने जोखिम में है, इसका पता क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स से चलता है। इस इंडेक्स में भारत 20वें नंबर यानी अधिक जोखिम वाले वर्ग में है। ऐसे मौसम के कारण देश को सालाना 70 हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान भी होता है। भारत के विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने हाल ही में कहा था कि हाल के दशकों में दुनिया भर में एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स बढ़ी हैं और आने वाले समय में और बढ़ेंगी। यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है।

इसी कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है और यही मौसम में इतने भारी-उतार चढ़ाव की वजह बन रहा है। जलवायु परिवर्तन को रोकने की पेरिस समझौते जैसी पहल में भारत अगुवा देश है। सौर और पवन ऊर्जा की क्षमता बढ़ाकर भारत इसके लिए अपनी ग्रीन इकॉनमी का भी विस्तार कर रहा है। लेकिन यह लड़ाई जितनी बड़ी है, उसे देखते हुए हमें ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी लानी होगी। यह हमारे कल के लिए जितना जरूरी है, उतना ही आज के लिए।

आदिवासी चुका रहे हैं नक्सलवाद की कीमत

जिगर डी वाढेर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पिछले दिनों नक्सली मुठभेड़ में 22 जवान शहीद हो गए, एक कोबरा कमांडो भी पकड़ा गया। घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, पर सवाल यह है कि यह हिंसा आखिर थमेगी कब? केंद्र में एनडीए सरकार के आने से पहले यूपीए सरकार ने भी नक्सल समस्या से निपटने के लिए ढेरों कदम उठाए थे। ऑपरेशन ग्रीन हंट चलाया, आदिवासियों के हाथ में बंदूकें तक दे डालीं, पर हुआ कुछ नहीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने तो 5 दशकों से चली आ रही नक्सल समस्या को आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती तक बताया था।

गृह मंत्रालय की 2018-19 की एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले नौ सालों में दस राज्यों में हुई नक्सली हिंसा में 3,700 से अधिक लोग मारे गए। इसमें सबसे अधिक जानें छत्तीसगढ़ में गई हैं। अकेले वर्ष 2010 से दस राज्यों में हिंसा की 10,660 घटनाओं में 3,749 लोग मारे गए। 2010 से 2018 के बीच झारखंड में हुई 3,358 हिंसक घटनाओं में 997 की जान गई, जबकि बिहार में 1,526 वारदातों में 387 को जान गंवानी पड़ी। मंत्रालय ने ऐसी 88 फीसदी से अधिक घटनाओं के लिए सीपीआई (माओवादी) को जिम्मेदार ठहराया है। मगर आंकड़े और इतिहास बताता है कि इस समस्या को न तो पुलिस या फोर्स के जरिए सुलझाया जा सकता है, और न ही नक्सलियों के पास इसका कोई समाधान है। यह केवल बातचीत के जरिए ही सुलझ सकती है।

नक्सल समस्या की वजह से सबसे ज्यादा पीड़ित अगर कोई है तो वे हैं आदिवासी। इन्हें एक तरफ पुलिस और फोर्स, तो दूसरी तरफ नक्सली पीसते हैं। अगर वे पुलिस को कोई सूचना देते हैं, तो नक्सली उन्हें गांव में आकर मारते हैं। जब वे नक्सलियों को खाना-पानी देते हैं, तो पुलिस उनको उठा ले जाती है। अगर वे खाना न दें तो नक्सली उन्हें रहने नहीं देंगे।

बस्तर का जंगल 20 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला है। यहां 4 आदिवासी समुदाय रहते हैं- गोंड, हल्बा, मुरिया और माड़िया। इनकी दो बोलियां हैं- गोंडी व हल्बी। ध्रुवा व भत्रा आदिवासी समुदाय जंगल के बाहर रहते हैं। सभी समुदायों की भाषा, बोली, पहनावा, खान-पान, आचार, व्यवहार, मान्यताएं सब अलग हैं। हर हफ्ते लगने वाले बाजार उनके जीवन और संस्कृति के केंद्र में हैं, क्योंकि इसी दिन जंगल के सब लोग आपस में मिलते हैं, दुख-दर्द साझा करते हैं। वे वहां जंगल से मिले या बनाए सामान लेकर आते हैं, आपस में बांटते भी हैं। यहीं उनके शादी-विवाह या फसल निकालने का दिन तय होता है। सार्वजनिक उत्सव की सूचना भी इसी साप्ताहिक हाट के जरिए दी जाती है। पर अब सरकार ने मिट्टी पर बैठने की 10 रुपये की पर्ची लगा दी है, तो आदिवासी साप्ताहिक हाट का विकल्प तलाश रहे हैं।

शिक्षा के नाम पर दिल्ली में आईएएस के कोचिंग इंस्टिट्यूट को करोड़ों रुपये के टेंडर जारी कर दिए। ये पैसा दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर आदि जिलों के सीएसआर का पैसा है, क्योंकि वहां माइनिंग होती है, और इसे वहीं लगना था। वर्ष 2017-18 में जब मैं दंतेवाड़ा गया तो पता चला कि इन स्कूलों में ऐसे 1 फीसदी भी शिक्षक नहीं थे जो गोंडी या हल्बी जानते हों, वहीं आदिवासियों में एक फीसदी भी लोग नहीं थे, जो हिंदी समझते हों। जब आपसी संवाद है ही नहीं, तो शिक्षा क्या मिलेगी?

ऐसे ही सरकारें वहां सामूहिक विवाह करा रही हैं, दहेज में फ्रिज, कूलर, बेड दे रही हैं। अपनी सामाजिक बीमारियां आदिवासियों में भर रही हैं। आदिवासी जंगल पर जीते हैं, उन्हें बाजार में लाने की कोशिश हो रही है। आदिवासी कोदू, कुटकी और कुचाई जैसे मोटे अनाज और जंगली फल-सब्जियां यूज करते हैं, पर पिछले दो दशक से वहां फूल और केले की खेती कराई जा रही है, जिससे आदिवासियों का आत्मनिर्भर जीवनयापन का तरीका बर्बाद हो रहा है। और नक्सलवाद की समस्या भी कहीं न कहीं यहीं से शुरू होती है।

माल बनाने में इस लीग का जवाब नहीं

भूपेन्द्र पटेल

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल अपने 13 साल लंबे सफर में परिपक्वता हासिल करने में सफल रही है। इस दौरान टीमों की सोच में बदलाव आया। 2008 में जब यह लीग शुरू हुई थी, तब सबने ऐसे लोगों को कप्तान बनाया, जिनके पास अच्छा अनुभव था। आईपीएल के पहले संस्करण में एमएस धोनी, एडम गिलक्रिस्ट, शेन वॉर्न, वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंडुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और युवराज सिंह को कप्तानी सौंपी गई। लेकिन रोहित शर्मा 2013 में मुंबई इंडियंस के कप्तान बने और उन्होंने अपनी टीम को जबर्दस्त सफलता दिलाई। इसके बाद से फ्रेंचाइजियों ने अनुभव के बजाय सक्षम युवा कप्तानों को कमान सौंपने का सिलसिला शुरू कर दिया। इस साल नौ अप्रैल से शुरू होने वाले आईपीएल के 14वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को और राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को नेतृत्व सौंपा है। पंजाब किंग्स का नेतृत्व पहले ही युवा खिलाड़ी केएल राहुल संभाले हुए हैं।

टीम की जरूरत

आईपीएल के दशक से ज्यादा लंबे सफर के बाद अब टीमें इस बात को अच्छे से जानती हैं कि उनकी जरूरत क्या है। वे नीलामी में अपनी जरूरत के मुताबिक खिलाड़ियों को लेने का प्रयास करती हैं। इसलिए नीलामी के समय बड़े नामों के पीछे दौड़ने के बजाय टीमें उपयुक्त खिलाड़ियों के पीछे जाती हैं। इसके अलावा ज्यादातर टीमों का जोर अब तेज-तर्रार युवा खिलाड़ियों को लेने पर है। यही वजह है कि स्टीव स्मिथ और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज क्रिकेटर बेस प्राइज पर खरीदे जा रहे हैं। यानी ऐसे खिलाड़ियों का टीमों में महत्व कम हुआ है।

पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए आईपीएल मुकाबलों में बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो युवा खिलाड़ी के रूप में केएल राहुल (670), श्रेयस अय्यर (519), ईशान किशन (516) और देवदत्त पडिक्कल (473) सबसे ऊपर हैं। ये सभी अभी टीम इंडिया में जगह बनाने या जगह पक्की करने के प्रयास में हैं। पिछली बार की तरह ही इस बार भी टीमों का फोकस यंग ब्रिगेड पर रहने वाला है। इन सालों में इतना जरूर हुआ है कि सभी टीमें काफी सशक्त हो गई हैं। इसलिए पहले से यह कहना मुश्किल है कि कौन सी टीम धमाल मचाएगी। कई सालों से खिलाड़ी विशेष पर भरोसा करने वाली मुंबई इंडियंस जैसी टीमें थोड़ी बेहतर स्थिति में जरूर हैं, लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि वे अजेय हैं।

आईपीएल को इसलिए शुरू किया गया था ताकि दूर होते क्रिकेटप्रेमियों को फिर से इस खेल की तरफ आकर्षित किया जा सके। यह लीग इस प्रयास में तो सफल हुई ही, अब यह क्रिकेट की सबसे मालामाल लीग भी हो गई है। इतना ही नहीं, यह बीसीसीआई की कमाई का भी प्रमुख स्रोत है। इससे बीसीसीआई हर साल लगभग 5000 करोड़ रुपये कमाती है। मतलब यह कि आईपीएल में प्रति मैच 80 करोड़ रुपये के करीब राजस्व मिलता है। इस मामले में वह अमेरिकी एनएफएल, इंग्लिश प्रीमियर लीग और ला लिगा से ही पीछे दिखती है। लेकिन ये लीगें साल में ज्यादातर समय चलती रहती हैं। इनके मैचों की संख्या काफी ज्यादा है।

वहीं, क्रिकेट की लीग को लंबे समय तक आयोजित करना संभव नहीं है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का ढांचा द्विपक्षीय क्रिकेट पर आधारित है और बीच-बीच में आईसीसी टूर्नामेंटों का भी आयोजन होता रहता है। आईपीएल के लिए आईसीसी ने कोई विंडो तो नहीं दी है, पर इतना जरूर है कि अब देशों ने इसके आयोजन के समय पर सीरीज आयोजित करना काफी कम कर दिया है।

दुनिया में वैसे तो कई टी-20 लीगों का आयोजन हो रहा है, पर आईपीएल जैसी ख्याति अन्य किसी लीग की नहीं है। इसका कारण है इसमें भरपूर पैसा होना।

खिलाड़ी इसमें शामिल होकर अपने को सम्मानित ही महसूस नहीं करते, इसे अपनी कमाई का प्रमुख साधन भी मानते हैं। यही वजह है कि कई बार खिलाड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी को छोड़कर इसमें शिरकत करते हैं। कई खिलाड़ियों ने इसमें शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास तक ले लिया है। इसी बार का उदाहरण लें तो दक्षिण अफ्रीका की आजकल पाकिस्तान के साथ सीरीज चल रही है, लेकिन क्विंटन डिकॉक, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, डेविड मिलर और एनरिच नोर्ट्जे जैसे खिलाड़ी उस सीरीज को छोड़कर आईपीएल में भाग लेने आ गए हैं। गनीमत है कि दक्षिण अफ्रीका के कोच मार्क बाउचर ने इसे पॉजिटिव रूप में लिया और कहा कि इन खिलाड़ियों के आईपीएल में खेलने से साल के आखिर में भारत में ही होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी हो जाएगी और हमें पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में अपनी बेंच स्ट्रेंथ का भी सही अंदाजा हो जाएगा। इस संबंध में इंग्लैंड के टी-20 कप्तान ईयोन मॉर्गन कहते हैं कि क्रिकेट प्रशासकों को दस साल का कार्यक्रम इस तरह से तैयार करना चाहिए कि किसी क्रिकेटर को अपने देश के बजाय इन लीगों को वरीयता न देनी पड़े। पिछले साल कोरोना की वजह से आईपीएल यूएई में आयोजित किया गया। इस बार उम्मीद की जा रही थी कि मैच शुरू होने तक कोरोना काबू में आ चुका होगा। मगर ऐसा नहीं हो सका। इस बार इसका आयोजन छह शहरों- मुंबई, चेन्नै, बेंगलुरु, अहमदाबाद, दिल्ली और कोलकाता में किया जा रहा है। शुरुआती मैच मुंबई और चेन्नै में खेले जाने हैं। ये दोनों ही शहर कोरोना की दूसरी लहर का शिकार हैं। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 9 अप्रैल को पिछली चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के बीच उद्घाटन मैच खेला जाना है लेकिन स्टेडियम की तैयारियों में जुटे करीब डेढ़ दर्जन कर्मचारी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।

एंटीलिया के बाहर जिलेटिन....मुकेश अंबानी को धमकी...फिर एक एनकाउंटर की थी तैयारी, जाने सचिन वझे का क्या था प्लान

- सचिन वझे को 27 दिन की कस्टडी में रखने के बाद एनआईए ने भेजा जेल
- सचिन वझे मामले में एनआईए को मिले सबूतों को सीबीआई को सौंपा गया
- एनआईए के सूत्रों ने बताया कि सचिन वझे फेक एनकाउंटर की तैयारी कर रहा था
- उसने तीन लोगों को एनकाउंटर के लिए चुना था

मुंबई, एनआईए की 27 दिन की कस्टडी के बाद शुक्रवार को सचिन वझे को जेल भेज दिया गया। खुद एनआईए ने कोर्ट से कहा कि वझे से हमें और पूछताछ की जरूरत नहीं है। मतलब, जिलेटिन केस की एनआईए ने अपनी जांच लगभग पूरी कर ली है। उसी आधार पर एनआईए सूत्रों का कहना है कि सचिन वझे जिलेटिन केस के बाद कुछ और बड़ा करने वाले थे।

सूत्रों का कहना है कि जिलेटिन केस के कुछ दिन बाद एक एनकाउंटर की प्लानिंग की गई थी, ताकि यह बता दिया जाता कि जो लोग एनकाउंटर में मारे गए, उन्होंने ही मुकेश अंबानी की एंटीलिया बिल्डिंग के बाहर जिलेटिन वाली स्कॉर्पियो खड़ी की थी। अभी यह साफ नहीं हुआ कि इस एनकाउंटर में उस हिरेन मनसुख को भी मारा जाता, जिसका 4 मार्च को मर्डर किया गया या कोई और नाम थे।

एनकाउंटर के लिए दो और शख्स चुने गए थे कुछ सूत्रों का कहना है कि एनकाउंटर के लिए 2 और व्यक्तियों की पहचान की गई थी। एनकाउंटर के बाद जिलेटिन केस का इनवेस्टिगेशन वहीं खत्म हो जाता। खुद सचिन वझे ही वह इनवेस्टिगेशन कर रहे थे। लेकिन चूंकि जिलेटिन की वजह से टेटर एंगल आ गया और जांच में एनआईए और एटीएस भी आ गईं, इसलिए सचिन वझे की सारी प्लानिंग फेल हो गई और उनकी खुद की पोल खुल गई।

एनकाउंटर के लिए लाई गई थी एक कार भी सूत्रों के अनुसार नवंबर में औरंगाबाद से एक व्यक्ति की इको कार चोरी हुई थी। उस कार की नंबर प्लेट सचिन वझे की गिरफ्तारी के बाद मीठी नदी से बरामद की गई। सूत्रों का कहना है कि शायद इसी कार से उन आरोपियों के आने को दिखाया जाता, जिनका एनकाउंटर किया जाता। सूत्रों का कहना है कि इस कार की नंबर प्लेट 4 मार्च को ठाणे और मुंबई के कुछ सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुई है। यहां बताना जरूरी है कि 4 मार्च को हिरेन मनसुख का ठाणे में मर्डर किया गया।

सीबीआई को भी शेयर किए गए सबूत सचिन वझे को जेल भेजे जाने से पहले शुक्रवार को सीबीआई ने फिर उनका एनआईए दफ्तर जाकर अनिल देशमुख केस में स्टेटमेंट लिया। वझे से सीबीआई ने लगातार तीन दिन पूछताछ की है। एनआईए ने वझे के पास से जो डायरियां व अन्य डिजिटिल ऐविडेंस जमा किए, सूत्रों के अनुसार, उसकी जानकारी भी सीबीआई के साथ शेयर की गई। इस केस में कई सस्पेंस खुल गए, पर कुछ सस्पेंस अभी भी बरकरार हैं। जैसे, इतना बड़ा कांड सचिन वझे अकेले तो नहीं कर सकता। फिर उनके ऊपर किसका हाथ था? दूसरे, स्कॉर्पियो में जो जिलेटिन रखी गईं, वह कौन लाया और कब लाया?

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कोरोना नियमों की उड़ाई धज्जियां, मामला तूल पकड़ने पर मांगी माफी

मुंबई, कोरोना से बचाव के लिए जिन नेताओं ने पाबंदियां लगाई, वहीं लोग जब उसकी धज्जियां उड़ाने लगे, तो क्या कहेंगे? हालांकि बाद में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कानून तोड़ने के लिए माफी मांगी।

पंढरपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रचार करने के लिए गुरुवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार पहुंचे। वहां उन्होंने कई सभाएं कीं, जिसमें भारी भीड़ जमा हुई। बीजेपी नेता कल्याण काले के एनसीपी में प्रवेश कराने के लिए पवार खुद गए थे। वहां भी भारी भीड़ जमा हुई। इस दौरान कोरोना से बचाव के लिए बनाए गए नियम-कानून का उल्लंघन किया गया। एक अन्य जगह पर मतदाताओं को पवार संबोधित कर रहे थे। इस पर टीका-टिप्पणी होने लगी। मीडिया ने भी पवार को घेरा, तब पवार को अपनी गलतियों का एहसास हुआ। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करने में तनिक भी देरी नहीं की। एक चुनाव प्रचार में संबोधन के समय अजित पवार ने मास्क पहन रखा था। मंच के नीचे से किसी ने मास्क निकालकर संबोधन करने की मांग की, लेकिन पवार ने मास्क नहीं निकाला। चिट्ठी भेजने वाले की मजाक उड़ाते हुए कहा कि, अभी किसी एक बुद्धिमान व्यक्ति ने मास्क निकाल कर संबोधित करने की मांग है, लेकिन मेरी आप सभी से विनती है कि आप सभी मास्क पहनें। दो गज की दूरी बनाए रखें। कोरोना महामारी से बचाव के लिए मास्क बहुत उपयोगी है। अपना को छोड़ पड़ोसी को टीका भेजा कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए बनाए गए नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील करते हुए पवार ने केंद्र सरकार की खिंचाई की। उन्होंने ने कहा कि विदेश में टीके भेजने से पहले अपने देश को टीके दिए जाने चाहिए। खुद को भूखा रखकर पड़ोसियों को टीका दिया जा रहा है। सीरम पर केंद्र का नियंत्रण है, अन्यथा हम सीरम से टीका देने को कहते। पवार ने कहा कि, लोगों को लॉकडाउन नहीं चाहिए तथा 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को टीका लगना चाहिए।

मुंबई में बची है सिर्फ एक दिन की डोज़, कई केंद्रों पर टीकाकरण बंद

मुंबई, महाराष्ट्र समेत आर्थिक राजधानी मुंबई में भी कोरोना वैक्सीन की किल्लत शुरू हो चुकी है। किल्लत के चलते 71 प्राइवेट सेंटर्स में से 25 केंद्रों पर लोगों को टीका नहीं लग सका। गुरुवार के टीकाकरण अभियान के बाद अब शहर में सिर्फ 40 से 50 हजार कोरोना वैक्सीन की डोज बची हुई है जो सिर्फ एक दिन ही बमुश्किल चल सकती है।

शुक्रवार की ड्राइव हुई कैंसल

टीके की कमी की वजह से शहर के कुल 120 में से 51 सेंटर्स पर टीकाकरण अभियान को शुक्रवार के लिए स्थगित कर दिया गया है। कुछ बड़े सार्वजनिक केंद्रों जैसे बीकेसी जंबो, सेवेन हिल्स हॉस्पिटल, दहिसर जंबो, कुपर हॉस्पिटल, कस्तूरबा हॉस्पिटल और वीएन देसाई जैसी जगहों पर भी या तो टीकाकरण अभियान कैंसल हो गया है या फिर उसे अगले दिन के लिए टाल दिया गया है। केंद्रों पर लगीं लंबी कतारें नहीं मिला टीका गुरुवार को कई बड़े वैक्सीन सेंटर जैसे सेवन हिल्स और नेस्को जंबो पर लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि उन्हें वैक्सीन की किल्लत के चलते टीका नहीं लग पाया। लोगों को टीका ना मिल पाने की वजह से उन्होंने अपने स्थानीय पार्षदों को भी कई बार फोन किया। पार्षदों की मानें तो उन्हें कई लोगों के फोन आए जिन्हें कोरोना का टीका नहीं मिल पाया। शुक्रवार को पहुंचेगी वैक्सीन बीएमसी (BMC) अधिकारियों की मानें तो 1 लाख 86 कोरोना वैक्सीन की डोज मुंबई में शुक्रवार तक पहुंचेगी। हालांकि कई सेंटर्स पर वैक्सीन मौजूद नहीं है। लिहाजा टीकाकरण अभियान को रद्द करना पड़ा है। वैक्सीन की किल्लत की खबर सुनकर कई जगहों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। गुरुवार को शहर में तकरीबन 56हज़ार 909 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। अंधेरी के गुन्दावली इलाके की सुनीता अहिरे बताती हैं कि उन्हें वैक्सीन लगवाने के लिए तकरीबन 3 घंटे तक धूप में इंतजार करना पड़ा।

मध्य और पश्चिम रेलवे ने बढ़ाई स्पेशल ट्रेनों की संख्या, अब नहीं मिलेगा प्लेटफार्म टिकट... जानिए पूरी खबर

मुंबई, महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना के खतरे के पीछे मजदूरों के पलायन की खबरें सुर्खियां बनने लगी है। जानकारी के मुताबिक अब राज्य से रोजाना तकरीबन एक लाख मजदूरों के पलायन की खबर सामने आ रही है। इन मजदूरों को इस बात का डर है कि कहीं राज्य में संपूर्ण लॉकडाउन लग गया तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल कई जगहों पर फैक्ट्रियों में कामकाज बंद होने की भी खबरें है। जिसकी वजह से वह मजदूरों को पलायन करना पड़ रहा है। हालांकि पंचायत चुनावों के चलते हुए लोग अब गांव की तरफ जा रहे हैं लोगों का यह भी कहना है कि मुंबई में साप्ताहिक लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू के अलावा कई बंदिशों की वजह से धंधा नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से गांव जाने में ही भलाई है। कई लोगों का यह भी कहना है कि पंचायत चुनाव में खड़े उम्मीदवार तमाम लोगों के लिए बस की व्यवस्था भी कर रहे हैं। नहीं मिल रहा है प्लेटफॉर्म टिकट रेलवे स्टेशनों पर लोगों की बढ़ती भीड़ को रोकने के लिए रेल प्रशासन ने मुंबई डिवीजन के कई स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से प्लेटफार्म टिकट की बिक्री बंद कर दी है। जिन स्टेशनों पर प्लेटफार्म की बिक्री बंद की गई है। उनमें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस,लोकमान्य तिलक टर्मिनस, कल्याण, ठाणे, दादर और पनवेल रेलवे स्टेशन शामिल है। वेटिंग लिस्ट वालों को प्लेटफार्म पर एंट्री नहीं वेस्टर्न रेलवे के जीएम आलोक कंसल ने

एनबीटी ऑनलाइन को बताया कि रेलवे स्टेशन और प्लेटफार्म पर लोगों की भीड़ को रोकने के लिए वेटिंग लिस्ट वाले लोगों को भी प्रवेश देने से मना कर दिया गया है। अब रेलवे स्टेशन और प्लेटफार्म पर सिर्फ वही लोग जा सकेंगे जिनके पास कंफर्म टिकट होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों को रेलवे की तरफ से वेटिंग वाले टिकट जारी किए गए हैं।

उनमें से ज्यादातर लोगों के टिकट कोचों की संख्या बढ़ाकर कंफर्म कर दिए जाते हैं। कंसल ने बताया कि फिलहाल पश्चिम रेलवे में 100 से लेकर 300 तक की वेटिंग लिस्ट चल रही है और इसी के आधार पर हम यह तय करते हैं कि किस रूट पर कितनी ट्रेनें चलानी है। जिस रूट पर ज्यादा लोगों की वेटिंग होती है उस रूट पर ट्रेनों का संचालन किया जाता है। 80 से 90 प्रतिशत हो रहा है ट्रेनों का संचालन आलोक कंसल ने बताया कि पिछले साल लॉकडाउन के बाद पश्चिम रेलवे ने धीरे- धीरे 310 लंबी दूरी की गाड़ियों का संचालन शुरू किया था। जिसमें से फिलहाल 90% यानी 266 ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसमें से उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली की तरफ जाने वाली 116 ट्रेनों का संचालन पश्चिम रेलवे की तरफ से किया जा रहा है। जो वेस्टर्न रेलवे के अलग-अलग स्टेशनों से छूटती हैं।

मध्य रेल में भी ने भी बढ़ाई ट्रेनें की संख्या उत्तर भारत की तरफ जाने वाले मुसाफिरों के लिए सबसे ट्रेनें मध्य रेलवे की तरफ से संचालित की जाती है। मध्य रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी ए.के. जैन के मुताबिक अब तकरीबन 80% लंबी दूरी की गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। पहले मुंबई डिवीजन से तकरीबन 110 ट्रेनिंग ऑपरेट की जाती थी। एके जैन ने बताया कि फिलहाल मुंबई से 42 से 45 ट्रेन रोजाना उत्तर भारत के लिए जाती हैं और इन ट्रेनों में 14 से 15 सौ मुसाफिर यात्रा करते हैं। हालांकि जो तस्वीरें फिलहाल सामने आ रही हैं उनके मुताबिक भारी तादाद में लोग ट्रेनों में यात्रा कर रहे हैं ये वो लोग हैं जो लॉकडाउन से डर कर अपने गृह जिलों के लिए पलायन कर रहे हैं। स्पेशल ट्रेनों के जरिये भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे दोनों ही समर स्पेशल ट्रेनों को चलाकर रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। मध्य रेलवे ने मुंबई से रांची जाने के लिए विशेष ट्रेन की शुरुआत की है। जिसकी बुकिंग 9 तारीख से शुरू होगी। इसके पहले भी दरभंगा के लिए विशेष ट्रेन चलाई गई है। वहीं पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस से बरौनी के बीच एक और अतिरिक्त साप्ताहिक विशेष ट्रेन शुरू की गई है इस ट्रेन का रिजर्वेशन 10 अप्रैल से शुरू होगा। मध्य रेल के महाप्रबंधक की अपील मध्य रेल के महाप्रबंधक संजीव मित्तल ने आज वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपील की है, 'पुराने और फेक वीडियो शेयर न करें औऱ कोविड 19 के उचित व्यवहार का पालन करें विभिन्न स्टेशनों पर भीड़ दिखाने वाले कुछ पुराने वीडियो सोशल मीडिया में फैलाये जा रहे हैं, तथा कुछ समाचार रिपोर्टों में गलत रूप से यह भी उल्लेख किया गया है कि बड़ी संख्या में लोगों का मूवमेंट हो रहा है। हम सभी से अपील करते हैं कि ऐसे वीडियो को शेयर न करें लोगों से अनुरोध है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें। मित्तल ने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए गर्मियों में अधिक से अधिक ट्रेनें चलाता है और उन ट्रेनों में पर्याप्त टिकट उपलब्ध हैं क्योंकि केवल यात्रियों को ही कन्फर्म टिकट दिया जा रहा है।

दोनों हाथ का निशान लेगा कोरोना की जान

ठाणे, कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए ठाणे मनपा ने एक नया निर्णय लिया है जिसके तहत अब होम क्वारंटाइन किए गए लोगों के दोनों हाथों पर क्वारंटाइन का निशान लगाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार अब तक केवल एक हाथ पर होम क्वारंटाइन का निशान होने से एक हाथ छुपाकर लोग बाहर घूमते थे और कोरोना का संक्रमण बढ़ता था लेकिन अब दोनों हाथों पर क्वारंटाइन का निशान होने से होम क्वारंटाइन किए गए लोग बाहर निकलते ही सबकी नजरों में आ जाएंगे और लोग उनके खिलाफ मनपा में शिकायत कर सकते हैं। इस निर्णय से कुछ हद तक कोरोना संक्रमण में कमी आएगी।

बता दें कि कोरोना मरीजों के संपर्क में आनेवाले लोगों को १४ दिनों के लिए होम क्वारंटाइन करने की कार्रवाई मनपा द्वारा की जाती है। होम क्वारंटाइन करते समय लोगों के एक हाथ पर क्वारंटाइन का निशान बनाया जाता था, जिससे क्वारंटाइन किया हुआ व्यक्ति घर से बाहर ना निकल सके और लोग उसके संपर्क में आने से बचें लेकिन कई बार होम क्वारंटाइन किया हुआ व्यक्ति अपने हाथ के निशान को छिपाकर बाहर घूमता पाया गया, यही वजह है कि नियमों का उचित पालन न करने के ठाणे मनपा क्षेत्र में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर ठाणे मनपा ने अब होम क्वारंटाइन किए हुए व्यक्ति के दोनों हाथों पर होम क्वारंटाइन का निशान लगाने का निर्णय लिया है। यह जानकारी ठाणे मनपा उपायुक्त संदीप मालवी ने दी है। दोनों हाथों पर निशान होने से लोगों की नजर से होम कोरोटाइन किया हुआ व्यक्ति नहीं बच पाएगा और लोग उसे घर पर रहने का आग्रह कर सकेंगे या फिर उससे दूरी बनाए रखेंगे, इससे कोरोना मरीजों की संख्या में जरूर कमी आएगी।

टीके के कमी का मुद्दा सीएम ने पीएम के सामने रखा

ऑक्सीजन मुहैया कराने की मांग

मुंबई, कोरोना टीके की कमी का मामला मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत में उठाया। मुख्यमंत्री ने मांग की कि राज्य को जल्द से जल्द टीका मुहैया कराया जाए। ठाकरे ने कहा कि वरीयता वाली 1.77 करोड़ जनता को टीका लगाने के लिए हर सप्ताह 40 लाख टीके की आपूर्ति की जाए। गुरुवार की शाम को प्रधानमंत्री मोदी ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से विडियो कॉन्फ्रेंस के बात की। बातचीत में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ठाकरे ने कोरोना का टीका मुहैया कराने के अलावा ऑक्सीजन की आपूर्ति करने की मांग भी की। रेमडेसिवीर की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 50 से 60 हजार बोतल का उपयोग शुरू है।

अप्रैल अंत तक प्रतिदिन 90 हजार से 1 लाख बोतल की जरूरत होगी। कई जगह इसकी दुरुपयोग हो रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में 71 फीसदी आरटीपीसीआर जांच तथा 28 फीसदी एंटीजन जांच हो रही है।

ठाकरे ने कहा कि राज्य में टेस्टिंग में तेजी लाई जा रही है और केंद्र को अधिक मात्रा में टीके की आपूर्ति करनी चाहिए तथा अन्य राज्यों से ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की व्यवस्था भी करानी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार की तरफ से हाफकिन इंस्टिट्यूट को कोरोना उत्पादन का प्रस्ताव मंजूर करने की मांग की।

महाराष्ट्र ने सामने रखा आंकड़ों का सच!.... वैक्सीन बंटवारे में केंद्र का भेदभाव हुआ उजागर

वैक्सीनेशन में देश के अन्य राज्यों से महाराष्ट्र बहुत आगे चल रहा है। आगे ही नहीं, बल्कि नंबर वन पर है। नंबर वन पर चल रहे महाराष्ट्र के साथ वैक्सीन बंटवारे में केंद्र सरकार द्वारा भेदभाव करने की बात सामने आई है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा रखे गए आंकड़ों से वैक्सीन बंटवारे में केंद्र का यह भेदभाव उजागर हुआ है। इतना ही नहीं, आंकड़ों पर गौर करने के बाद भाजपा शासित राज्यों को ज्यादा वैक्सीन देने का सच सामने आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने महाराष्ट्र को दी गई वैक्सीन का आंकड़ा पेश किया है। टोपे ने कल प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि महाराष्ट्र में प्रति सप्ताह ४० लाख वैक्सीन की जरूरत है लेकिन केंद्र सरकार की ओर से साढ़े सात लाख वैक्सीन दी गई है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश को ४८ लाख, मध्य प्रदेश को ४० लाख, गुजरात को ३० लाख और हरियाणा को २४ लाख टीके दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने सवाल उठाया कि टीकाकरण में नंबर वन रहनेवाले और सर्वाधिक मरीजों वाले प्रदेश महाराष्ट्र को केवल साढ़े सात लाख वैक्सीन क्यों? स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने बताया कि राज्य में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। टीकाकरण की गति बढ़ाने के लिए प्रति सप्ताह ४० लाख वैक्सीन की मांग केंद्र सरकार से की गई है। केंद्र ने साढ़े सात लाख वैक्सीन भेजी है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र की जनसंख्या ज्यादा है। देश के कुल मरीजों में से ५५ प्रतिशत सक्रिय मरीज महाराष्ट्र में हैं। हमारी यही उम्मीद है कि महाराष्ट्र को आवश्यकता के अनुसार वैक्सीन की आपूर्ति की जाए। कोरोना संकट काल में केंद्र और राज्य सरकार को हाथ मिलाकर जनता को बचाना चाहिए।

यह समय की मांग है। टोपे ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने १५ अप्रैल के बाद इसमें वृद्धि करके १७.५ लाख वैक्सीन भेजने का आश्वासन दिया है।

वेट लॉस के अलावा रोजाना 10 मिनट दौड़ने के जबरदस्त फायदे

सोनल झालावाड़िया

आप अगर अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो यकीन मानें गर्मियों का मौसम वेट लॉस के लिए बहुत अच्छा माना जाता है क्योंकि गर्मी की वजह से सिर्फ आपको भूख कम लगती है बल्कि पसीना ज्यादा आने से भी वजन कम होने में मदद मिलती है। आप अगर वेट लॉस के लिए

एक्सरसाइज या डाइटिंग नहीं कर पाते, तो आप रोजाना 10 मिनट दौड़ना शुरू कर दें, इससे वजन कम होने के साथ आपकी बॉडी भी शेप में रहेगी। आइए, जानते हैं दस मिनट दौड़ने के कितने फायदे हैं-

बॉडी शेप में रहती है

दौड़ना वर्कआउट के लिए जाना सबसे अच्छा है जिसे आप कभी भी कर सकते हैं। यह आधे समय में आपकी कसरत को अधिकतम करता है। इससे बॉडी शेप में रहती है क्योंकि इससे आपके शरीर से एक्सट्रा फैट पसीने के माध्यम से निकल जाता है।

मसल्स के लिए अच्छा होता है

रनिंग मांसपेशियों के निर्माण में वैसे मदद करती है, जैसे वेट ट्रेनिंग से फायदा होता है। हालांकि, वजन ट्रेनिंग के दौरान आप एक समय में एक शरीर के अंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दूसरी ओर दौड़ने में एक ही समय में दर्जनों मांसपेशियों का उपयोग होता है, जिससे मसल्स प्रैक्टिस के लिए यह सबसे बेहतर है।

मेटाबॉलिज्म बूस्ट कर सकता है

दौड़ने से बहुत कम समय में बहुत अधिक कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। जब आप स्प्रिंट करते हैं, तो आप अपने मेटाबॉलिज्म को किक-स्टार्ट करते हैं, जिससे अधिक कैलोरी बर्न होती है।

आपने हार्ट के लिए बेहतर

दौड़ना आपके दिल के लिए भी बेहद फायदेमंद है। यह आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। जब आप स्प्रिंट करते हैं, तो आपके हृदय की कार्यक्षमता में सुधार करने में मदद मिलती है। जब आप स्प्रिंट करते हैं, तो आप अपनी मांसपेशियों को अपने दिल के पंप को मुश्किल बनाने के लिए अपना सारा प्रयास करते हैं, इस प्रकार ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है।

गुड हार्मोन बढ़ते हैं

दौड़ने में हार्मोन (एचजीएच) के उत्पादन को बढ़ाने की क्षमता है, जो वजन घटाने मंड भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आपके शरीर में ऊतक विकास को बढ़ाकर एजिंग के प्रोसेस को धीमा कर सकता है।

कोविड-19 से मौत का खतरा घटाती है धूप, अध्ययन में हुआ दावा

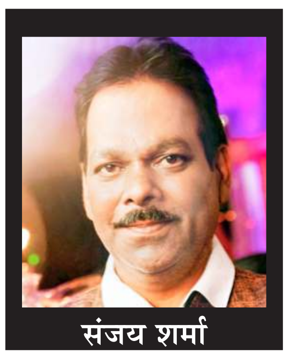

संजय शर्मा

पिछले एक साल से दुनिया भर के वैज्ञानिक कोविड-19 को लेकर कई अध्ययन कर चुके हैं। बावजूद इसके कोरोनावायरस नाम की यह महामारी रोजाना हजारों लोगों को अपना शिकार बना रही है। कोविड महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है।

भारत में भी एक बार फिर कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इस महामारी से निजात पाने के लिए वैज्ञानिक भी आए दिन अध्ययन करते रहते हैं। हाल ही में कोरोना को लेकर एक और अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में दावा किया गया है कि सूरज की रोशनी में अधिक समय बिताने, खासकर अल्ट्रावायलेट किरण के संपर्क में आने से कोविड-19 से होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है।

ब्रिटेन में एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की मानें तो सूरज की रोशनी के संपर्क में ज्यादा देर रहने से मृत्यु दर में कमी और सामान्य लोक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्माटोलोजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अमेरिकी महाद्वीप में जनवरी से अप्रैल 2020 के बीच होने वाली मौतों के साथ अल्ट्रावायलेट स्तर की तुलना की गई।

इस अध्ययन के दौरान टीम ने पाया कि ऐसे इलाके जहां अल्ट्रावायलेट किरणों के संपर्क में लोग अधिक थे, वहां कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या कम थी। इंग्लैंड और इटली में हुए अध्ययन में भी शोधकर्ताओं को कुछ इस तरह के नतीजे ही देखने को मिले।

गर्मियों में इन चार कारणों से झड़ते हैं ज्यादातर लोगों के बाल

गर्मियों में बालों की झड़ने की समस्या शुरू होना आम बात है लेकिन जब आपके बाल रोजाना बहुत ज्यादा मात्रा में झड़ने लग जाएं, तो समझें कि आपको हेयर केयर के तरीके को बदल देना चाहिए। इसके लिए आपको तेल या शैम्पू बदलने से पहले अपने सोने की आदतों के अलावा कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने की जरुरत है। आमतौर पर देखा जाता है कि कुछ आम गलतियों की वजह से हेयर फॉल की समस्या में काफी इजाफा होता है, जिसे कुछ बातों का ध्यान रखकर रोका जा सकता है।

-नमी की कमी के कारण कई बार बाल बहुत ज्यादा उलझ जाते हैं। उलझने और बिखने बालों में कंघी करते समय दर्द होता है।ऐसे में आपको गीले बालों में कंघी से बचने के अलावा बालों में पसीने आने की समस्या से भी बचना चाहिए।

-ड्राई हेयर कॉटन के तकिए पर अधिक रगड़ खाते हैं और उलझ जाते हैं। इसके अलावा कॉटन का तकिया बालों का नेचुरल ऑयल और नमी सोख लेता है जिसके कारण बाल बिखर जाते हैं।

बालों को बिखरने और उलझने से बचाने के लिए कॉटन की जगह फैब्रिक तकिए का उपयोग करें।

दूध के प्रोटीन से टूटी हड्डियों को जोड़ने का फार्मूला निकला

वैज्ञानिकों ने दूध से खोजकर एक ऐसा यौगिक एलपी-2 विकसित किया है, जिससे हादसों में टूट चुकी हडिड्यों को फिर से जोडा जा सकेगा। शोध पूरा हो चुका है और पेटेंट फाइल किया जा रहा है। इसके बाद इस यौगिक को दवा के रूप में लाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

देश में हर साल साढ़े चार लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें से से कम से कम 20 फीसदी मामलों में हड्डियां टूट जाती हैं। जब हड्डियों के दो या अधिक टुकड़े होते हैं तो शल्य चिकित्सा के जरिये उनका उपचार मुश्किल होता है। अभी और कोई दवा उपलब्ध नहीं है।

वैज्ञानिक एवं औद्यौगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की लखनऊ स्थित प्रयोगशाला सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई) के वैज्ञानिकों ने दूध में प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले प्रोटीन लेक्टाफेरिन के अमीनो एसिड का गहन अध्ययन किया। क्योंकि दूध स्तनधारियों में हड्डियों के विकास में अहम भूमिका निभाता है।

एलपी-2 नाम दिया

वैज्ञानिकों का उद्देश्य उस पेप्टाइड की खोज करना था जिसमें हड्डी बनाने की क्षमता होती है। मानव लेक्टोफेरिन 692 एमीनो एसिड युक्त प्रोटीन है। अमीनो एसिड ही प्रोटीन का निर्माण करते हैं। वैज्ञानिकों ने नैनो-ग्लोबुलर असेंबली के जरिये पेप्टाइड अनुक्रम 18 एमीनो एसिड की पहचान की जिसमें हड्डियों को पुनर्जिवित करने की क्षमता है। इसे एलपी-2 नाम दिया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार एलपी-2 को इंजेक्ट करने पर यह तेजी से हड्डियों के

टूटने के स्थान पर पहुंच जाता है तथा हड्डी का निर्माण शुरू कर देता है, जिससे हड्डी जुड़ जाती है।

टेरीपैराटाइड हार्मोन से 300 गुना शक्तिशाली

शोध के अनुसार अभी तक मानव पैराथायराइड हार्मोन टेरीपैराटाइड का इस्तेमाल ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के कारण हड्डियों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति मे उपचार के लिए किया जाता है। लेकिन एलपी-2 इससे 300 गुना शक्तिशाली है। इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हैं। एलपी-2 असल में टेरीपैराटाइड से अलग तंत्र के माध्यम से कार्य करता है।

लैब में बनेगा सिंथेटिक एलपी-2

एलपी 2 में कोई विषाक्तता नहीं है। वैज्ञानिक इसे एक नई पेप्टाइड दवा के रूप में विकसित कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार दवा के रूप में सिंथेटिक एलपी-2 का निर्माण लैब में किया जा सकेगा।

शोध में ये रहे शामिल

शोध में सीडीआरआई के वैज्ञानिकों में नैवेद्य चट्टोपाध्याय, सुभाशीष पाल, मोहम्मद सईद, अमित कुमार, देवेश पी वर्मा, कोनिका पोरवाल, शिवानी शर्मा, चिराग कुलकर्णी, अमिताभ बंदोपाध्याय, माधव एन मुगले, कल्याण मित्रा एवं जिमुत के. घोष शामिल हैं।

बीमारियों से दूर रहने के लिए अपनी हेल्थ बुक में नोट कर लें ये पांच बातें

हम में से बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो किसी न किसी बीमारी का शिकार होते रहते हैं, ऐसे में बार-बार पेन किलर या दूसरी दवाईयां लेने से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती जाती है। ज्यादातर बीमारियों की वजह अनियमित जीवनशैली होती है। आप कुछ बातों का ध्यान रखकर बीमारियों को खुद से दूर रखने के साथ अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ा सकते हैं। आइए, जानते हैं-

सुबह जल्दी उठें

सुबह जल्दी उठकर अगर आप हल्की धूप लेती हैं, तो आपको कभी हड्डी और जोड़ों से संबंधित समस्या नहीं होगी। इसके अलावा, सुबह-सुबह का वातावरण और ऑक्सीजन आपकी हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद है। सुबह जल्दी उठने के लिए बहुत जरूरी है कि आप रात को जल्दी सो जाएं।

पाचन तंत्र को रखें फिट

अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो अपने पाचन तंत्र को हेल्दी बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। खाना आराम से और चबा-चबाकर खाएं। खाने के बाद तुरंत बेड पर सोने न

जाएं। उससे पहले कम से कम 5 मिनट चहलकदमी कर लेंगी, तो आपका डाइजेस्टिव सिस्टम सही बना रहेगा।

आधे घंटे योग करना जरूरी

सुबह एक्सर्साइज करना जरूरी है। जिम करें या योग, लेकिन हेल्थ के लिए हर दिन कम से कम 30 मिनट की फिजिकल एक्टिविटी जरूर करें। योग और मेडिटेशन आपको फिजिकल और मेंटली हेल्दी रखेगा।

डाइट पर ध्यान दें

जरूरत से ज्यादा खाना भी आपकी बॉडी को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए अपनी फिजिकल एक्टिविटी के मुताबिक डायट चुनें। कम व हल्का खाना खाएं। खाने को हमेशा धीरे-धीरे और चबाकर खाएंगे, तो वह अच्छे से पचेगा और हेल्थ को फिट रखेगा। बॉडी में फैट बढ़ने के चांस बेहद कम हो जाते हैं।

मोबाइल को कान के बाई तरफ लगाएं

डॉक्टर्स के मुताबिक, मोबाइल फोन पर बात करते समय आपको हमेशा बाएं कान का इस्तेमाल करना चाहिए।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेषः आपके लिए सप्ताह की शुरुआत मुश्किल भरे हालातों से हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य को बीमारी परेशान करेगी जिसके कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक रूप से बहुत परेशान रहेंगे। पैसों की तंगी महसूस होगी। सप्ताह के अंतिम दो दिन में थोड़ी राहत मिलेगी। संकटों का हल मिलेगा। आर्थिक संकटों में कमी आएगी।

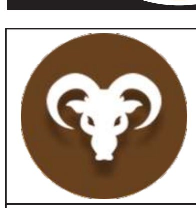

वृषभ : आर्थिक रूप से इस सप्ताह थोड़ी राहत में रहेंगे। परेशानियां पूरी तरह समाप्त तो नहीं होंगी लेकिन फिर भी काफी कुछ राहत रहेगी। कार्यो में तरक्की का समय है लेकिन आपको आलस्य का त्याग करना होगी तभी कुछ हो सकेगा। बिजनेस में उतार-चढ़ाव हैं लेकिन आप अपना काम करते रहें। स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह उत्तम है।

मिथुन : सप्ताह शुभ है। सोचे कार्य आसानी से हो जाएंगे। कुछ ऐसे कार्य भी संपन्न होंगे जिन्हें पूरे करने के लिए आप लंबे समय से प्रयासरत हैं। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो अवश्य करें। जिनके पास जॉब नहीं है उन्हें मिल जाएगा। पारिवारिक व्यापार को आगे बढ़ाने का प्रयास करें लाभ होगा। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं।

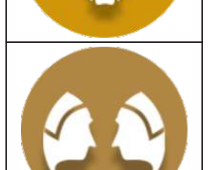

कर्क : मानसिक उतार-चढ़ाव थम जाएंगे। बहुत दिनों से किसी बात को लेकर परेशान हैं तो चिंता न करें, इस सप्ताह सब ठीक होने वाला है। कार्यो को गति मिलेगी और आप एक सुखद जीवन की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक कमी कुछ हद तक दूर होगी। व्यापार विस्तार का समय है। नई सोच के साथ काम को गति दें लाभ होगा।

सिंह : पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। घर-परिवार के बुजुर्गो से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। संपत्ति को लेकर भाई-बहनों से बना हुआ विवाद निर्णायक मोड़ पर आएगा। कोर्ट-कचहरी के अन्य मामले सुलझेंगे। प्रॉपर्टी खरीदने के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। अधिकारियों से सराहना मिलेगी। साझेदारी के बिजनेस में नुकसान हो सकता है।

कन्या : मानसिक रूप से चल रही परेशानियों का हल आपको आत्मविश्वास और संयम से तलाशना होगा। समय अनुकूल है लेकिन अति दंभ नुकसान पहुंचा सकता है। परिवार के साथ चलें लाभ में रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी लेकिन ध्यान रखें कहीं बड़ा निवेश करने से इस सप्ताह बचें। नौकरी में बदलाव के संकेत हैं।

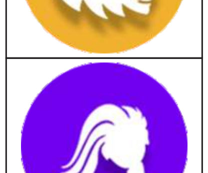

तुला : यह सप्ताह बहुत सतर्क होकर चलने वाला है। बड़ा खर्च आएगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। ग्रहों की चाल बता रही है किआपको भागदौड़ बहुत रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर तनाव होगा। नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। बिजनेस में भी मनमुताबिक लाभ होने की स्थिति नहीं है।

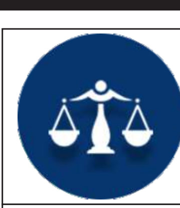

वृश्चिक : मित्रों, स्वजनों के साथ विवाद संभव है। अपनी क्रोध और बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल देने की आदत को काबू में रखना होगा। जीवनसाथी के साथ भी आपकी नहीं बनेगी। प्रेम संबंध टूट सकते हैं। नौकरी में दौड़धूप अधिक करनी होगी। व्यापारियों को लाभ-हानि दोनों बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : इस सप्ताह आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। इसलिए कार्य भी ठीक तरीके से हो जाएंगे। आपके धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर आएगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग होगा। सप्ताह के मध्य में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुजुर्गो के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

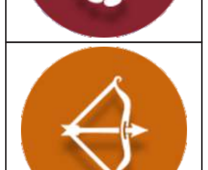

मकर : जीवन में, नौकरी में, बिजनेस में, रिश्तों में चल रहा उतार-चढ़ाव काफी हद तक थम जाएगा। आपके बातों को सराहा जाएगा और निर्णय पर दूसरे अमल करेंगे लेकिन आपको ध्यान रखना है किअपनी छवि को किसी भी तरह बिगड़ने से बचाना होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त महसूस करेंगे।

कुंभ : परेशानियों का अंत होने वाला है। इस राशि में शुभ ग्रह बृहस्पति का प्रवेश इस सप्ताह होने वाला है। आपकी सात्विकता, आध्यात्मिकता में वृद्धि होगी। मानसिक रूप से मजबूती आएगी। निर्णय क्षमता बेहतर होगी। अपने जीवन को तरक्की की राह पर आगे बढ़ाने के लिए आपके प्रयासों को गति और सफलता मिलेगी।

मीन : कार्य गति पकड़ेंगे लेकिन अति आत्मविश्वास किसी भी काम में ठीक नहीं। मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूती आएगी। आर्थिक मजबूती आएगी। इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। नौकरीपेशा और व्यापारियों को लाभ के अवसर आएंगे।

सोनू ने अपने दोस्त मोनू से पूछा - यार मेरी डी.पी. बहुत पुरानी
हो गई है, बदल लूं क्या?
सोनू की सीधी सादी पत्नी ने मोनू से पूछा -ये डी.पी. क्या होती है?
सोनू बोला - डी.पी. यानी धर्म पत्नी, कह कर भाग गया

पप्पू - तुम्हारा नाम क्या है?
लड़की - तमन्ना...
पप्पू - तुम्हारे पापा का नाम सरफरोशी है क्या?
लड़की - क्यों?
पप्पू - क्योंकि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है

पप्पू - अगर तुमने ज्यादा परेशान किया, तो मैं साधु बन जाऊंगा
पत्नी - नॉर्मल साधु या नागा साधु?
पप्पू - क्यों?
पत्नी - अगर नॉर्मल साधु बनना है तो मैं आपकी पैकिंग करूं, और अगर नागा साधु बनना है, तो फटाफट कपड़े उतारो और निकल लो

नाइट कर्फ्यू के बाद दिल्ली में जल्द लगाए जाएंगे नए प्रतिबंध, जानें लॉकडाउन पर क्या बोले केजरीवाल?

राजधानी दिल्ली में तेजी से बिगड़ते कोरोना के हालात के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भी मौजूद है। केजरीवाल ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि यदि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन हो और उम्र सीमा पर लगी रोक हटा दी जाती है, तो हम 2-3 महीने के भीतर पूरी दिल्ली में लोगों को टीका लगा सकते हैं। वर्तमान में, हमारे पास 7-10 दिनों के लिए वैक्सीन है। हमें टीकाकरण बढ़ाने के लिए आयु सीमा को हटाने की जरूरत है।

इस दौरान दिल्ली में फिर से लॉकडाउन की संभावना के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने यह साफ कर दिया कि यहां कोई लॉकडाउन नहीं होगा, लेकिन जल्द ही नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

बता दें कि, दिल्ली सरकार ने संक्रमण के मामलों को बढ़ने से रोकने के लिए राजधानी में मंगलवार को रात दस बजे से सुबह पांच बजे तक के लिए नाइट कर्फ्यू लगा दिया है जो 30 अप्रैल तक जारी रहेगा।

दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 8500 से अधिक नए मामले सामने आए तथा 39 और लोगों की मौत हो गई। पिछले साल 11 नवंबर के बाद से एक दिन में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले आए हैं। दिल्ली में पिछले साल 11 नवंबर को सर्वाधिक 8593 मामले आए थे, जबकि 19 नवंबर को सबसे अधिक 131 लोगों की मौत हुई थी।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, संक्रमण के 8521 नए मामलों के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 7,06,526, जबकि मृतकों की संख्या 11,196 हो गई है। अब तक 6.68 लाख से अधिक लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या भी बढ़कर 26,631 हो गई है जो एक दिन पहले 23,181 थी।

इस साल पहली बार एक दिन में 8,000 से अधिक मामले आए हैं। संक्रमण दर शुक्रवार को 7.79 प्रतिशत हो गई जो एक दिन पहले 8.1 प्रतिशत थी। राजधानी में पिछले कुछ हफ्ते में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, गुरुवार को आरटी-पीसीआर तरीके से 70,403 जांच और रैपिड एंटीजन तरीके से 38,995 जांच समेत कुल 1,09,398 नमूनों की जांच की गई। शहर में गुरुवार को संक्रमण के 7437 मामले सामने आए थे। बुलेटिन के मुताबिक होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों की संख्या बढ़कर 13,188 हो गई है जो एक दिन पहले 11,367 थी। कंटेनमेंट जोन की संख्या भी एक दिन पहले 4226 थी जो अब 4768 हो गई है।

दिल्ली में सभी स्कूल अगले आदेश तक बंद कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के चलते राजधानी दिल्ली में सभी कक्षाओं के लिए स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को यह घोषणा की। पिछले कुछ सप्ताह में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।

भारतीय नागरिक से तलाक के बाद विदेशी को नहीं मिल सकता ओसीआई का दर्जा, केंद्र ने हाईकोर्ट को बताया

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया है कि भारतीय नागरिकों से विवाह होने के आधार पर ओसीआई कार्डधारकों के तौर पर पंजीकृत विदेशी नागरिकों को तलाक लेने के बाद यह लाभ नहीं मिल सकता है।

गृह मंत्रालय ने बेल्जियम के ब्रसेल्स में भारतीय दूतावास के निर्णय का बचाव करते हुए यह दलील दी, जिसने बेल्जियम की महिला को भारतीय व्यक्ति के साथ उसकी शादी समाप्त होने के बाद अपना ओसीआई कार्ड वापस करने का निर्देश दिया है। महिला ने नागरिकता कानून – धारा सात द (फ) के प्रावधान को चुनौती दी गई है, जिसके तहत किसी भारतीय नागरिक का विदेशी साथी (पति या पत्नी) तलाक होने पर भारत का विदेशी नागरिक (ओसीआई) होने का दर्जा खो देगा। प्रावधान का बचाव करते हुए गृह मंत्रालय ने एक हलफनामे में कहा कि जिस धारा को चुनौती दी गई है वह समझने लायक अंतर (इंटेलिजेबल डिफरेंशिया) के आधार पर स्पष्ट वर्गीकरण करता है जो उन विदेशी नागरिकों पर लागू है जो भारत के नागरिक या ओसीआई कार्डधारक से शादी के आधार पर ओसीआई कार्डधारक के तौर पर पंजीकृत थे और जिनकी शादी बाद में समाप्त हो गई है।

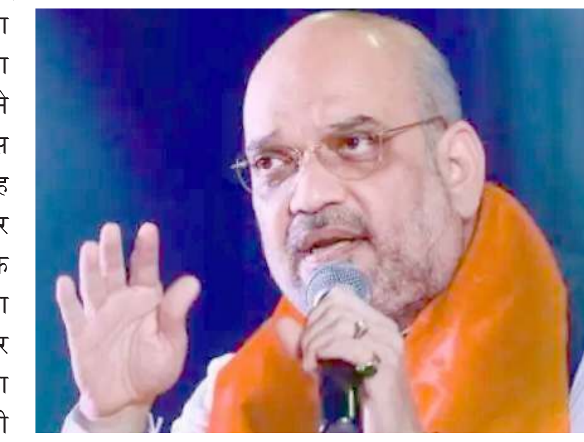

गृह मंत्रालय ने केंद्र सरकार के स्थायी वकील अजय दिगपॉल के माध्यम से दायर अपने हलफनामे में कहा कि प्रावधान में ऐसे विदेशी नागरिकों के ओसीआई कार्डधारक को रद्द करने का प्रावधान है क्योंकि वे नागरिकता कानून,1955 के तहत अब इसके लिए पात्र नहीं हैं। मंत्रालय ने कहा कि महिला को एक भारतीय नागरिक से विवाह करने के कारण बेल्जियम के ब्रसेल्स में स्थित भारतीय दूतावास द्वारा भारतीय मूल का व्यक्ति (पीओआई) कार्ड 21 अगस्त, 2006 को जारी किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि उसने अक्टूबर 2011 में अपने पति को तलाक दे दिया था और बाद में उसे इस शादी के आधार पर जारी पीआईओ कार्ड को रद्द कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन उस वक्त यह नहीं किया गया था।

गृह मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि महिला का ओसीआई दर्जा अब भी रद्द नहीं हुआ है और उसे बस कार्ड वापस करने को कहा गया है।

महाराष्ट्र में लग सकता है तीन सप्ताह का कड़ा लॉकडाउन! मंत्री विजय वडेट्टीवार ने दिए संकेत

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना की वजह से बिगड़ते हालात को देखते हुए राज्य में 3 सप्ताह का कड़ा लॉकडाउन लग सकता है। कांग्रेस नेता और मंत्री विजय वडेट्टीवार ने इस बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता की जान बचाने के लिए यह करना बहुत जरूरी है।

वडेट्टीवार ने कहा कि ऐसी मुसीबत की घड़ी में केंद्र सरकार की तरफ से कोरोना वैक्सीन भी राज्य को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। जबकि गुजरात को जरूरत से ज्यादा वैक्सीन दी गई है। ऐसे में नागरिकों की जान बचाना सबसे अहम है। लिहाजा लॉकडाउन करना जरूरी लग रहा है।

वडेट्टीवार ने कहा कि मुंबई की लोकल ट्रेनों को लेकर भी बयान देते हुए कहा है कि ट्रेनों में भी यात्रियों के ऊपर कड़े नियम लगाए जा सकते हैं। मंत्री जी के इन बयानों के बाद अब उद्धव ठाकरे क्या कुछ नए नियमों के साथ फिर जनता से संवाद साधेंगे? इस पर भी लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

मरीजों की संख्या 10 लाख तक पहुंच सकती है

आगामी 10 दिनों में महाराष्ट्र के अंदर एक्टिव मरीजों की संख्या 10 लाख तक पहुंच सकती है। ऐसे हालात में भी विपक्ष राजनीति करने पर आमादा है। जब से एमपीएससी की परीक्षा रद्द हुई है तब से बीजेपी सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन कर रही है। अब बीजेपी व्यापारियों को भी भड़काने का काम कर रही है।

राज्य में सिर्फ दो दिन की डोज़ उपलब्ध

कोरोना वैक्सीन के मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब सिर्फ 9 लाख डोज़ ही बचे हैं। जिन्हें पूरे राज्य में डिस्ट्रीब्यूट किया गया है। ये डोज़ सिर्फ 2 दिन तक ही चल पाएंगे।

दिल्ली के सभी प्राइवेट-सरकारी स्कूल बंद, बढ़ते कोरोना के बीच दिल्ली सरकार का फैसला

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में तमाम प्रयासों के बावजूद कोरोना के नए मामले नहीं रुक रहे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। दिल्ली में हर रोज कोरोना के नए मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिसको देखते हुए दिल्ली सरकार पहले भी कई बड़े फैसले लागू कर चुकी है।

अगले आदेश तक बंद

अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली में सभी स्कूल (सरकारी, प्राइवेट सहित), सभी क्लासेज के लिए अगले आदेश तक बंद किए जा रहे हैं। दिल्ली में कोरोना की यह चौथी लहर तेज होती जा रही है। गुरुवार को 7,437 नए मामले सामने आए हैं, जो 139 दिनों के बाद आया है। इससे पहले पिछले साल 19 नवंबर को दिल्ली में एक दिन में कोरोना के 7,546 नए मरीज आए थे, जो गुरुवार की तुलना में ज्यादा था।

19 नवंबर और 8 अप्रैल की तुलना

दिल्ली में पिछली बार सात हजार से अधिक मामले पिछले साल 19 नवंबर को आए थे। उस दिन 24 घंटे में 7,546 नए मामले की पुष्टि हुई थी। लेकिन संक्रमण रेट 12.09 फीसदी दर्ज हुआ था। यहीं नहीं, उस दिन दिल्ली में 98 मरीजों की जान चली गई थी। लेकिन गुरुवार 8 अप्रैल को दिल्ली में 7,437 नए मामले आए हैं, लेकिन संक्रमण रेट उस दिन की तुलना में काफी कम 8.10 फीसदी है। यही नहीं, उस दिन जहां 98 मौतें हुई थीं गुरुवार को सिर्फ 24 मौतें हुई हैं।

इस मौत का आंकड़ा कम

इसके आधार पर कहा जा सकता है कि दिल्ली में मामले जरूर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस बार पहले की तरह सीवियरिटी नहीं है, मौतें कम हो रही हैं।

यूपी पंचायत चुनाव में बगावत पर भाजपा से पूर्व विधायक जतारिया निष्कासित, अन्य बागियों की भी सूची मांगी गई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे बबीना झांसी के पूर्व विधायक सतीश जतारिया को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलाध्यक्षों से पार्टी के ऐसे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की सूची तलब की है जो पार्टी के अधिकृत समर्थित प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं।

सूची आने पर सभी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। बताया जाता है कि पार्टी द्वारा घोषित अधिकृत समर्थित प्रत्याशियों के खिलाफ पार्टी के कई नेता चुनाव मैदान में हैं। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। सभी की प्राथमिक सदस्यता समाप्त करते हुए पार्टी से निष्कासित किया जाएगा। जिलाध्यक्षों को पहले चरण के लिए घोषित प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले पार्टी

पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की सूची तत्काल भेजने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र देव सिंह आज इटावा सहित चार जिलों में करेंगे बैठकें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह शनिवार 10 अप्रैल को इटावा, कानपुर, प्रयागराज व भदोही जिले का दौरा करेंगे। वह सबसे पहले इटावा पहुंचेंगे। सुबह इटावा में पंचायत जिला चुनाव संचालन समिति की बैठक के साथ ही वार्ड प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह कानपुर पहुंचेंगे और बैठकें करेंगे। कानपुर से प्रयागराज जाएंगे।

समस्तीपुर में उपेन्द्र कुशवाहा और तीन पूर्व विधायक को कोर्ट ने आचारसंहिता मामले में किया बरी

जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा शुक्रवार को आचारसंहिता उल्लंघन के मामले में चल रहे आरोप से कोर्ट ने मुक्त कर दिया। उनके अलावा पूर्व विधायक रामदेव वर्मा, पूर्व विधायक रामबालक सिंह, पूर्व विधायक प्रो. शील कुमार राय को भी दोषमुक्त किया गया। सभी शुक्रवार को मामले की सुनवाई को लेकर सब जज एक के न्यायालय में उपस्थित हुए थे। अधिवक्ता ब्रजनंदन राय उर्फ टुन्ना जी एवं गौतम भारद्वाज उने उनकी ओर से बहस में भाग लिया। दोषमुक्त होने के बाद सभी नेताओं ने कहा कि वे निर्दोष थे। उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा था। इन नेताओं की कोर्ट में पेशी को लेकर कार्यकर्ताओं की भी अच्छी खासी संख्या न्यायालय परिसर में जुटी हुई थी। उनके बरी होने की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी। मौके पर खुशी का इजहार करने वालों में जदयू की जिला अध्यक्ष अश्वमेध देवी, प्रदेश महासचिव डॉ. दुर्गेश राय, अनंत कुशवाहा आदि शामिल हैं।

भाजपा के पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्त की कोरोना से मौत

प्रयागराज के प्रतिष्ठित कारोबारी, पूर्व सांसद और पूर्व नगर प्रमुख श्यामाचरण गुप्ता का बीती रात नई दिल्ली के निजी अस्पताल में निधन हो गया। कोरोना से संक्रमित श्यामाचरण को बेतहर इलाज के लिए नई दिल्ली ले जाया गया था। वहां भी उनकी हालत लगातार चिंताजनक बनी हुई थी। शुक्रवार शाम स्थिति गंभीर होने पर उनको वेंटीलेटर पर रखा गया था। रात 12 बजे श्यामाचरण ने अंतिम सांस ली। बीड़ी, रिएल स्टेट, मिल, डेयरी का कारोबार करने वाले समूह श्याम ग्रुप के संस्थापक श्यामाचरण गुप्ता 2004 में समाजवादी पार्टी और 2014 में इलाहाबाद लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर सांसद बने थे। सांसद बनने से पहले श्यामाचरणण गुप्ता शहर के नगर प्रमुख रहे। नौ फरवरी 1945 में बांदा में जन्में श्यामाचरण सामान्य व्यक्ति के तौर पर प्रयागराज और यहां व्यवसाय का साम्राज्य खड़ा किया। 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले श्यामाचरण भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए और बांदा लोकसभा सीट से आखिरी बार चुनाव लड़े थे। श्यामचरण के परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है।

पिछले साल गंभीर रूप से बीमार श्यामाचरण की बहू का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हुआ था। श्यामाचरण के साथ उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी कोरोना से संक्रमित हुए। उनकी पत्नी और बेटा भी नई दिल्ली में इलाज करा रहे हैं।

गोरखपुर में भी लग सकता है नाइट कर्फ्यू, सीएम योगी ने की समीक्षा, जानें विवाह समारोह के लिए किस शर्त पर मिलेगी इजाजत

उत्तर प्रदेश में कोरोना का कहर तेज होता जा रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश के कई शहरों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया है। अब इन शहरों में सीएम योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर का नाम भी जुड़ सकता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मंडलीय अधिकारियों की बैठक में डीएम को इस बारे में आवश्यकतानुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया। कोरोना की रोकथाम के लिए नाइट कर्फ्यू रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक लगाया जा सकता है। इसके साथ विवाह समारोहों के लिए रात 10 तक ही इजाजत मिलेगी। सीएम ने कहा कि यदि कोई संक्रमित पाया जाता है तो उसके सम्पर्क में आने वाले कम से कम 25 लोगों की जानी चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई के भी निर्देश दिए।

इसके अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि कांटैक्ट ट्रेसिंग पर ज्यादा जोर दिया जाए, ताकि संक्रमण की रफ्तार रोकी जा सके। सीएम ने शुक्रवार को प्रयागराज और वाराणसी में कोरोना नियंत्रण के इंतजाम की समीक्षा की थी। देर शाम वह गोरखपुर आ गए थे।

आवश्यक वस्तुओं की सामग्री आने पर कोई रोक नहीं रहेगी। बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वालों पर एक्शन भी होगा। इससे पहले यूपी के लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, मेरठ, बरेली, सहारनपुर, गाजियाबाद और नोएडा में पहले से ही नाइट कर्फ्यू लगाया गया है।

इन्हें मिलेगी इजाजत

सरकार ने 500 से अधिक एक्टिव केस वाले जिलों को रात का कर्फ्यू लगाने के लिए अधिकृत किया है। गोरखपुर में भी कोरोना के एक्टिव केस का आकंड़ा तेज से बढ़ रहा है। हालात को काबू में करने के लिए यहां भी रात का कर्फ्यू लगाया जा सकता है। इस दौरान उद्योगों में रात की शिफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों को परिचय पत्र साथ रखना होगा। परिचय पत्र दिखाने पर आने-जाने से पुलिस नहीं रोकेगी।

मुख्तार अंसारी पर कसता शिकंजा, अवैध शस्त्र रखने का केस, वारंट की तैयारी

माफिया मुख्तार अंसारी पर शिकंजा कसते हुए गाजीपुर पुलिस ने शनिवार को अवैध शस्त्र रखने का मुकदमा दर्ज किया है। जिलाधिकारी गाजीपुर की ओर से दो-दो बार शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के बावजूद शस्त्र जमा नहीं करने के मामले में कार्रवाई की गई है। मुख्तार के खिलाफ गृहक्षेत्र की कोतवाली मुहम्मदाबाद में आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर पुलिस वारंट और रिमांड की तैयारी कर रही है। इस कोतवाली में पहले से भी तीन केस में मुख्तार अंसारी नामजद हैं।

पंजाब की रोपड़ जेल से यूपी आने के बाद मुख्तार अंसारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गाजीपुर की कोतवाली मुहम्मदाबाद में शनिवार को पुलिस ने आर्म्स एक्ट के नए केस में तहत मुख्तार अंसारी को नामजद किया है। मुहम्मदाबाद सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि मुख्तार अंसारी की आपराधिक गतिविधियों के चलते जिलाधिकारी गाजीपुर ने उसके दो शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए थे।

डीएम गाजीपुर ने 1996 में मुख्तार की डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस निरस्त किया था तो 2017 में राइफल का लाइसेंस का भी निरस्तीकरण हो गया। दोनों लाइसेंस निरस्त होने के बाद डीएम कार्यालय ने नोटिस जारी कर तामीला कराया और शस्त्रों को जमा करने का आदेश जारी किया। पुलिस और प्रशासनिक कवायदों

के बावजूद मुख्तार अंसारी की ओर से टालमटोल किया गया और शस्त्र नहीं जमा कराए गए। मुख्तार उन अवैध शस्त्रों को अपने पास रखे हैं। पुलिस की ओर से मामले की जांच कई वर्ष से चल रही थी लेकिन फाइल ठंडे बस्ते में चली गई। अब फिर मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्तार अंसारी पर केस दर्ज किया गया है। उधर, गाजीपुर पुलिस ने अलग-अलग थानों में मुख्तार से जुड़े पुराने मामले खंगालने शुरू कर दिए हैं। मुहम्मदाबाद सीओ राजीव द्विवेदी ने मुख्तार अंसारी के खिलाफ मिलने वाली शिकायतों और अधूरी पड़ी सरकारी सूचनाओं में कार्रवाई की कवायद शुरू कर दी है।

IPL 2021: काइल जैमीसन की यॉर्कर से टूटा क्रुणाल पांड्या का बैट

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद तक चले मैच में 2 विकेट से हराया। मुंबई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 159 रन बनाए। जिसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने एबी डिविलियर्स (48) और ग्लेन मैक्सवेल (39) की पारियों की बदौलत 160 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। आईपीएल में अपने डेब्यू कर रहे आरसीबी के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने मुंबई के बल्लेबाजों को बांधकर रखा और अपने चार ओवर में महज 27 देकर सूर्यकुमार का बड़ा विकेट चटकाया। जैमीसन ने गेंदबाजी के दौरान अपनी जबर्दस्त यॉर्कर से क्रुणाल पांड्या का बैट भी तोड़ा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

कब, कहां और कैसे देखें चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच की लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलिकास्ट

आईपीएल 2020 में फाइनल तक का सफर तय करनी वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के दूसरे मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी। दोनों टीमों के बीच यह मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दिल्ली की टीम को सीजन की शुरुआत से पहले उस समय बड़ा झटका लगा, जब कप्तान श्रेयस अय्यर कंधे की चोट के चलते पूरे सीजन के लिए बाहर हो गए। टीम इस बार ऋषभ पंत की अगुवाई में अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में मैदान पर उतरेगी। वहीं, पिछले सीजन प्लेऑफ में अपनी जगह नहीं बना सकी चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन दमदार प्रदर्शन करना चाहेगी।

संतुलित दिल्ली की टीम

दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2021 में बाकी टीमों के मुकाबलें काफी संतुलित दिखाई दे रही है। टीम के पास सलामी बल्लेबाज के तौर पर शिखर धवन और पृथ्वी शॉ की जोड़ी मौजूद है। शॉ ने विजय हजारे और धवन ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था। खुद कप्तान ऋषभ पंत भी अपने करियर की बेस्ट फॉर्म में मौजूद हैं। स्टीव स्मिथ के आने से टीम के बैटिंग ऑर्डर को बैलेंस मिला है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैन ऑफ द मैच रहे हर्षल पटेल ने बताया, टीम से जुड़ने के बाद से ही पता थी अपनी भूमिका

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के पहले मुकाबले में मुंबई इंडियंस की बैटिंग ऑर्डर को ध्वस्त करने वाले हर्षल पटेल ने बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम से जुड़ने के बाद से उन्हें अपनी भूमिका के बारे में पता था। उन्होंने कहा कि वह इस बात को जानते थे कि उनको आरसीबी की तरफ से डेथ ओवरों में मुख्य तेज गेंदबाज का रोल अदा करना होगा। हर्षल ने मुंबई की खिलाफ बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए महज 27 रन देकर पांच विकेट झटके। उनकी शानदार गेंदबाजी और आखिरी के ओवरों में एबी डिविलियर्स की 48 रनों की तूफानी पारी के चलते बैंगलोर ने मुंबई को आईपीएल 2021 के पहले मैच में 2 विकेट से हराया।

हर्षल आरसीबी की तरफ से मुंबई के खिलाफ पांच विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। उन्होंने ईशान किशन, हार्दिक और क्रुणाल पांड्या जैसे बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। मैच के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, 'जब मुझे आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स से लिया तो मुझे बता दिया गया था कि फ्रेंचाइजी की तरफ से मेरी क्या भूमिका होगी। मेरे लिए स्पष्ट निर्देश थे कि मैं आखिरी दो ओवर (18वां और 20वां ओवर) करूंगा। इससे मैं अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट था। इससे मुझे बल्लेबाजों के खिलाफ रणनीति बनाने में मदद मिली। गेंद ने एक समय रिवर्स स्विंग लेना शुरू कर दिया था। यार्कर और धीमी गेंदें करना महत्वपूर्ण था।'कप्तान विराट कोहली ने भी जीत के बाद हर्षल पटेल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हमने हर्षल को दिल्ली से ट्रेड किया था।

ग्लेन मैक्सवेल को लेकर इरफान पठान ने की भविष्यवाणी, बताया IPL 2021 में कितने रन बनाएगा आरसीबी का बल्लेबाज

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन का आगाज हो चुका है। टूर्नामेंट के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने आखिरी गेंद चले रोमांचक मैच में मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराया। आरसीबी की तरफ से अपना पहला सीजन खेल रहे ग्लेन मैक्सवेल काफी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 28 गेंदों में 39 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। जीत के बाद कप्तान कोहली ने मैक्सवेल को मैच का गेमचेंजर बताया और उनकी इनिंग की जमकर तारीफ की। इसी बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने मैक्सवेल को लेकर बड़ी भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि वह आईपीएल 2021 में 400 के आसपास रन बनाएंगे।

दरअसल, ग्लेन मैक्सवेल की मुंबई के खिलाफ शुरुआत बैटिंग को देखने के बाद इरफान पठाने ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'मैक्सवेल इस सीजन 400 के आसपास रन बनाएंगे। अबतक खेली सात गेंदों में वह काफी कॉन्फिडेंट लग रहे हैं।'

बाल-बाल बचे विराट कोहली, क्रुणाल पांड्या का कैच ड्रॉप करते हुए आंखों के नीचे आकर लगी गेंद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन के पहले मुकाबले में मैदान पर काफी कुछ घटता हुआ दिखाई दिया। रोमांच से भरपूर इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने मुंबई इंडियंस को आखिरी बॉल पर 2 विकेट से हराया। आरसीबी की फील्डर मैच में काफी सुस्त दिखाई दिए और टीम ने कई कैच भी टपकाए। अपनी शानदार फील्डिंग के लिए मशहूर कप्तान विराट कोहली ने खुद क्रुणाल पांड्या का कैच छोड़ा। विराट इस कैच को पकड़ने के चक्कर में बुरी तरह से चोटिल होने से बाल-बाल बच गए।

दरअसल, मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर की पहली गेंद पर क्रुणाल पांड्या ने काइल जैमीसन

की गेंद पर मिडऑफ की तरफ हवा में शॉट खेला, जहां पर फील्डिंग कर रहे विराट इस कैच को ठीक तरह से जज नहीं कर सके और बॉल उनकी आंखों के नीचे आकर काफी तेजी से लगी। इसके बाद कोहली खुद को चेक करवाने के लिए मैदान से महज एक मिनट के लिए बाहर गए और फिर से फील्डिंग करने के लिए मैदान पर पहुंच गए।

बंगाल में एयरपोर्ट पहुंचते ही पीएम मोदी ने करीमुल हक को लगाया गले, जानें कौन है यह शख्स

पश्चिम बंगाल में चौथे चरण का मतदान हो रहा है। चुनाव प्रचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को बंगाल पहुंचे। पीएम मोदी जलपाईगुड़ी पहुंचे और यहां बागडोगरा हवाईअड्डे पर उतर कर पीएम मोदी पद्म पुरस्कार विजेता करीमउल हक से मिले, जहां दोनों एक-दूसरे के गले लगे। समाज सेवा करने वाले करीमउल हक को पश्चिम बंगाल में बाइक एम्बुलेंस दादा के नाम से जाना जाता है, यह अब तक 400 लोगों की जान बचा चुके हैं। करीमउल हक गरीब और जरूरतमंद लोगों को अपनी मुफ्त बाइक एम्बुलेंस के जरिए असप्ताल तक पहुंचाते हैं। करीमउल की जिंदगी की कहानी कई लोगों को प्रेरित कर सके इसके लिए एक किताब भी लिखी जा चुकी है। जिसका नाम है- 'बाइक एम्बुलेंस दादा, द इंस्पायरिंग स्टोरी ऑफ करीमुल हक: द मैन हू सेव्ड 4000 लाइव्स' . यह इनकी ऐधिकारिक बायोग्राफी है. जिसके लेखक बिस्वजीत झा है। बता दें कि लगभग 26 साल पहले हक की मां की मृत्यू हो गई थी और उनकी मां की मौत का कारण था उनकी गरीबी, तब वह एम्बुलेंस का खर्चा उठाने में असमर्थ थे। और उनकी बीमार मां को अस्पताल तक ले जाने के लिए कोई साधन नहीं है।

मंदिर बोर्ड का दावा- तिरुमाला ही है भगवान हनुमान का जन्मस्थान, जल्द पेश करेंगे सबूत

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा कि वह यह साबित करने के लिए ऐतिहासिक और प्रासंगिक सबूत प्रदान करेगा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में भगवान वेंकटेश्वर का निवास स्थान तिरुमला भगवान हनुमान का जन्मस्थान है।

मंदिर का प्रशासन, टीटीडी, उगादि उत्सव (तेलुगु नव वर्ष) के दिन 13 अप्रैल को एक पुस्तिका के रूप में एक दस्तावेज जारी करने के लिए तैयार है, जिससे यह साबित किया जा सके कि अंजनाद्री, तिरुमाला की सात पहाड़ियों में से एक, अंजनाद्री को भगवान हनुमान का जन्मस्थान कहा जाता है।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी केएस जवाहर रेड्डी ने कहा, "हम यह साबित करने के लिए एक पुस्तिका के रूप में समिति की रिपोर्ट लाएंगे कि भगवान हनुमान वास्तव में अंजनाद्री में पैदा हुए थे, जो तिरुमाला की सात पहाड़ियों में से एक है, जो पूर्वी घाट के शेषचलम पहाड़ी श्रृंखला का हिस्सा हैं" पैनल ने गुरुवार को रेड्डी के साथ बैठक में टीटीडी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति के एक सदस्य ने नाम न छापने की शर्त बताया, "खगोल विज्ञान पर आधारित भगवान राम के मार्ग को ट्रैक करने के लिए अतीत में विभिन्न अन्य शोधकर्ताओं द्वारा कई अध्ययन किए गए हैं।

केएमपी एक्सप्रेस-वे जाम करने को सड़क पर उतरे किसान, हाईवे पर ही किया लंच

नए कृषि कानूनों को लेकर किसानों और सरकार के बीच में जारी गतिरोध अभी टूटता दिखाई नहीं दे रहा है। तीनों कानून वापस लेने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की जिद अड़े किसान बिना मांगें माने पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आंदोलनकारी किसान आज 24 घंटे के लिए कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे को जाम कर रहे हैं। वहीं, ईस्टर्न पेरिफेरल पर पहुंचे किसानों ने भी जाम लगाना शुरू कर दिया है। किसान एक्सप्रेस-वे पर बैठकर ट्रैफिक रोक रहे हैं। इसे देखते हुए गाजियाबाद के डासना बूथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। इसके बाद वो मई में संसद तक पैदल मार्च भी करेंगे, इसके लिए जल्द ही तारीख पर फैसला किया जाएगा।

-पलवल के किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शानिवार को केएमपी जाम करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। किसानों ने केएमपी पर जमा नहीं लगाया। पहले की तरह किसान अटोंहा धरनास्थल पर बैठे रहे। किसान नेता महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि गेहूं की कटाई को देखते हुए मजदूर-किसानों से चर्चा के बाद केएमपी जाम नहीं करने का फैसला किया था। बहरहाल, पलवल में केएमपी पर किसी प्रकार का कोई जाम नहीं है और वाहन चालक बिना रुकावट के आ-जा रहे हैं। जिला पुलिस की तरफ से यहां पूरे सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। यहां कोई रूट भी डायवर्ट नहीं किया गया है।

- किसानों द्वारा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जाम करने के बाद गाजियाबाद जिले के ट्रैफिक रूट मे बदलाव किया गया है। जो वाहन मेरठ रोड पर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर ग्रेटर नोएडा की तरफ जा रहे थे, उन्हें NH-9 पर भेजने के संकेत ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिए जा रहे हैं। वहीं ग्रेटर नोएडा से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से होते हुए मुरादनगर या मेरठ जाने वाले वाहनों को भी NH-9 से होते हुए NH-58 की तरफ जाने को कहा जा रहा है।

- किसानों के केएमपी एक्सप्रेव-वे जाम करने के ऐलान के बाद गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार दोपहर केएमपी पर फर्रुखनगर के पास कुंडली जाने वाले रास्ते पर बेरिकेडिंग कर बंद कर दिया है। मानेसर और पटौदी से बादली जाने वाले राहगीरों को पुलिस द्वारा फर्रुखनगर टोल प्लाजा से डायवर्ट कर वैकल्पिक रास्तों से भेजा जा रहा है।

ममता ने BJP नेताओं पर लगाए नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहने के आरोप

पश्चिम बंगाल में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के चरण बीतते जा रहे हैं, वैसे-वैसे नेताओं के बयानों में तल्खी बढ़ती जा रही है। चौथे चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहा है। नेताओं को "गले में रस्सी बांधकर मर जाना चाहिए।" पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने नोटिस पर चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा, "यह मेरे लिए शायद ही मायने रखता है। इस तरह के 10 कारण बताओ नोटिस क्यों नहीं जारी किए जाएं, मेरा जवाब वही रहेगा। मैं सभी को एकजुट होकर मतदान करने के लिए कहती हूं। कोई विभाजन नहीं होगा। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई, उन्हें एक भी वोट न दें।"

क्या नरेंद्र मोदी के खिलाफ दर्ज हुई शिकायतें: ममता ममता बनर्जी ने आगे पूछा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं?" वह हर दिन हिंदू-मुस्लिम करते हैं, उनके खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं? उन लोगों के खिलाफ कितनी शिकायतें दर्ज की गई हैं जिन्होंने नंदीग्राम के मुसलमानों को पाकिस्तानी कहा था? उन्हें अपने गले में रस्सी बांधकर मर जाना चाहिए।"

सोनिया गांधी की कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के संग बैठक, बोलीं- पीएम मोदी के कारण देश में वैक्सीन की कमी

कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कोरोना महामारी में कुप्रबंधन किया और टीके का निर्यात कर देश में इसकी कमी होने दी।

उन्होंने बैठक में यह भी कोरोना के संक्रमण के प्रसार से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने तथा साथ ही कमजोर तबकों की मदद करने की जरूरत है। वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से हुई बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे।

सोनिया ने कहा, "कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ रहा है और ऐसे में मुख्य विपक्षी दल के तौर पर हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम मुद्दों को उठाएं और सरकार पर दबाव बनाएं कि वह जनसंपर्क की तरकीबें अपनाने की बजाय जनहित में काम करे।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "पारदर्शिता होनी चाहिए। सरकार को कांग्रेस शासित समेत सभी राज्यों में संक्रमण और मौत के वास्तविक आंकड़े पेश करने चाहिए।"केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सोनिया ने कहा, "हमें सबसे पहले भारत में टीकाकरण अभियान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसके बाद टीके का निर्यात करना और दूसरे देशों के तोहफे में देना चाहिए। हमें इस बात पर जोर देना होगा कि जिम्मेदाराना व्यवहार हो और बिना किसी अपवाद के कोविड संबंधी दिशानिर्देशों एवं सभी कानूनों का पालन किया जाए।"

एआर रहमान ने एंकर के हिंदी बोलने पर किया था 'ट्रोल', अब सफाई में बोले- 'वह मजाक था'

संगीतकार एआर रहमान लाइमलाइट से दूर ही रहना पसंद करते हैं। पिछले दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था। रहमान अपने नए प्रोजेक्ट '99 सॉन्स' का प्रमोशन कर रहे थे। इसी दौरान एक कार्यक्रम में जब एक एंकर हिंदी बोलती है तो एआर रहमान कहते हैं, 'हिंदी?' वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स उनसे खुश नजर नहीं आए।

रहमान ने रखा अपना पक्ष

इस पूरे मामले पर पहली बार रहमान ने अपना पक्ष रखा है। बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में रहमान ने इसे बस एक मजाक बताया। रहमान कहते हैं कि 'असल में क्या हुआ कि हम तीन भाषाओं में इसे लॉन्च कर रहे हैं। हिंदी में हम पहले ही लॉन्च कर चुके हैं। अगला लक्ष्य तमिलनाडु में था। स्टेज पर एक तरह का प्रोटोकॉल होता है। हम दर्शकों से

तमिल में बात कर रहे थे इसलिए मैंने उनसे (एंकर) तमिल में बोलने के लिए और प्रोटोकॉल को फॉलो करने के लिए कहा। मैंने उनसे कहा 'हिंदी?' और मैं स्टेज से उतर आया था। यह एक मजाक था। इसे इतनी गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है।

13 साल की उम्र से मॉडलिंग करने लगी थीं आयशा टाकिया, लाइमलाइट से दूर अब दिखती हैं ऐसी

आयशा टाकिया आज यानी 10 अप्रैल को अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म मुंबई में हुआ। 13 साल की उम्र में आयशा ने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था। वह कई विज्ञापनों में काम करती नजर आईं। शाहिद कपूर के साथ उन्होंने कॉम्पलान का विज्ञापन किया था। जिसके बाद वह 'कॉम्पलान गर्ल' के नाम से मशहूर हो गईं।

कई म्यूजिक वीडियोज रहे हिट

90 के दशक में आयशा ने कई म्यूजिक वीडियोज में काम किया। फाल्गुनी पाठक के गाने 'मेरी चुनर उड़ उड़ जाए' में

आयशा नजर आई थीं। यह गाना हिट रहा था और उन्हें काफी पसंद किया गया। बाद में वह 'नहीं नहीं अभी नहीं' म्यूजिक वीडियो में भी काम किया।

फिल्मी दुनिया में रखा कदम

मॉडलिंग और म्यूजिक एलबम में आयशा को नोटिस किया जाने लगा और उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। आयशा ने 'सोचा ना था' और 'टार्जन: द वंडर कार' फिल्म साइन कर ली। 'टार्जन' (2004) पहले रिलीज हुई थी।

इसमें उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड मिला।

2006 में रिलीज हुई फिल्म 'डोर' में आयशा के अभिनय को काफी सराहा गया। छोटे बजट की इस फिल्म को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद आयशा ने 'शादी नंबर 1', 'होम डिलीवरी', 'शादी से पहले', 'यूं होता तो क्या होता', 'सलाम ए इश्क', 'क्या लव स्टोरी है', 'फुल एंड फाइनल', 'संडे', 'पाठशाला' सहित अन्य फिल्में कीं।

हालांकि इन फिल्मों से आयशा के करियर को कुछ खास फायदा नहीं हुआ। 2009 में सलमान खान के साथ उन्होंने फिल्म 'वॉन्टेड' की। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

'हैलो चार्ली' में आदर जैन के साथ गोरिल्ला भी हीरो है, देखें या नहीं फिल्म?

हैलो चार्ली की कहानी चिराग रस्तोगी/ चार्ली (आदर जैन), गोरिल्ला (टोटो) के आस पास घूमती है। चार्ली एक पिज्जा डिलिवरी ब्वॉय है, जो बड़े बड़े सपने देखता है। ऐसे में एक बार उसे मुंबई से गोरिल्ला को बाहर दूसरी जगह ले जाने की जिम्मेदारी मिलती है। चार्ली को इस बात का अंदाजा नहीं होता है कि जिसे वो गोरिल्ला समझ कर ले जा रहा है वो टोटो नहीं बल्कि स्कैमर मकवाना (जैकी श्रॉफ) है। अब इसके बाद क्या होता है और कैसे फिल्म के बाकी किरदार एक दूसरे से जुड़ते हैं, ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी। फिल्म आपको जहां खूब हंसाती है तो वहीं कुछ कुछ जगहों पर बोर भी करती है। फिल्म में एमडी मकवाना (जैकी) की गर्लफ्रेंड का किरदार मोना (एलनाज नौरोजी) निभा रही हैं।

कैसी है एक्टिंग

बात सितारों की एक्टिंग की करें तो आदर जैन को अभी काफी कुछ सीखने की जरूरत है। वहीं श्लोका को काफी कम स्क्रीन टाइम मिला है, लेकिन अपनी एक्टिंग और डांस से उन्होंने दिल जीता है।

जैकी श्रॉफ हमेशा की तरह ही शानदार रहे हैं, वहीं एलनाज ने भी अच्छा काम किया है। वहीं फिल्म के सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे गिरीश कुलकर्णी और राजपाल यादव के लुक्स तो फनी रहे, लेकिन किरदार में कुछ दम नजर नहीं

आया।

फिल्म में इस्तेमाल हुआ असली गोरिल्ला

चूंकि फिल्म एक गोरिल्ला के इर्द- गिर्द घूमती है, ऐसे में सबसे अच्छी बात रही है गोरिल्ला का सूट, जो किसी भी जगह पर नकली नहीं लगता है। हालांकि बता दें कि फिल्म में अधिकतर असली गोरिल्ला का भी इस्तेमाल हुआ है। फिल्म के डायलॉग्स अधिक बेहतर हो सकते थे।

देखें या नहीं

कुल मिलाकर बात ये है कि आप फिल्म को देख सकते हैं। फिल्म आपको बोर नहीं करेगी लेकिन बहुत उम्मीद रखकर मत देखिएगा। हालांकि मूड फ्रेश करने के लिए इस फिल्म को आप परिवार और खास तौर पर बच्चों के साथ एन्जॉय कर सकते हैं।

तापसी पन्नू ने कंगना रनौत को कहा- थैंक्यू, 'थलाइवी' ने तंज कसते हुए दिया जवाब!

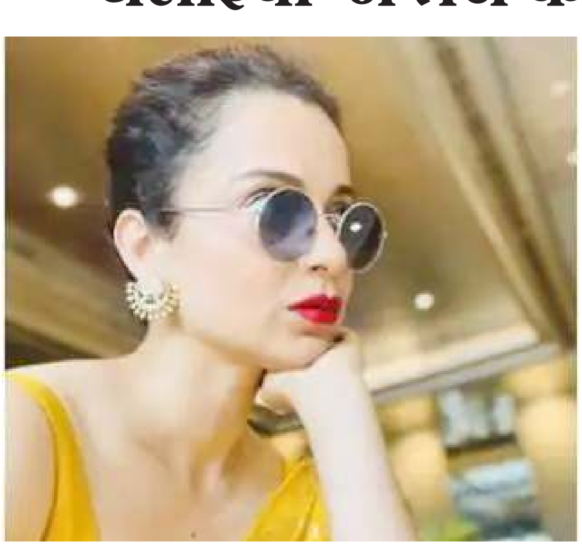

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) और कंगना रनौत (Kangana Ranaut) के बीच का मतभेद किसी से भी छिपा नहीं है। सोशल मीडिया पर कई बार दोनों को आमने सामने देखा जा चुका है। हालांकि उस वक्त कंगना और तापसी के फैन्स हैरान रह गए, जब तापसी ने अवॉर्ड लेते हुए कंगना को भी थैंक्यू कह दिया। तापसी ने कहा कंगना को धन्यवाद

दरअसल हाल ही में तापसी को फिल्म थप्पड़ के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया था। अवॉर्ड जीतने के बाद तापसी ने अपने सभी को नॉमिनीज को धन्यवाद कहा। तापसी ने दीपिका पादुकोण, जाह्नवी कपूर, कंगना रनौत और विद्या बालन को धन्यवाद कहा।

कंगना ने दिया जवाब

तापसी पन्नू का ये वीडियो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। तापसी के साथ ही साथ कंगना के फैन्स भी इस वीडियो को खूब तेजी से शेयर करने लगे। इस बीच एक सोशल मीडिया यूजर ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कंगना रनौत को भी टैग किया। वीडियो पर कंगना रनौत ने लिखा- 'शुक्रिया तापसी, विमल इलाइची फिल्मफेयर अवॉर्ड की तुम हकदार हो। तुमसे अधिक इसे कोई डिज़र्व नहीं करता।'

कंगना ने कसा तंज!

कंगना के इस जवाब के सोशल मीडिया पर कई मायने निकाले जा रहे हैं। कोई सोशल मीडिया यूजर इसे कंगना का बड़प्पन बता रहा है तो कुछ का कहना है कि जिस अंदाज में कंगना ने जवाब दिया है, वो उन्होंने तापसी पर तंज कसा है। वहीं विमल इलाइची के चलते कई सोशल मीडिया यूजर्स अजय देवगन का भी जिक्र कर रहे हैं। इसके साथ ही कई सोशल मीडिया यूजर्स कंगना रनौत को भी ट्रोल करने की कोशिश करते दिखे।

अमिताभ बच्चन 'बिग बुल' देखकर हुए इमोशनल, अभिषेक ने बताया मां का एक 'अंधविश्वास'

अभिषेक बच्चन की फिल्म 'बिग बुल' रिलीज हो चुकी है। जूनियर बच्चन के फैन्स फिल्म की काफी तारीफ कर रहे हैं। उनके पिता अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे की फिल्म का जिक्र अपने ब्लॉग में किया है।

बिग बी ने तारीफ करते हुए बताया है कि कैसे अपने बच्चों का अच्छा काम देखकर उनका सीना चौड़ा हो जाता है। अभिषेक के डैड ने फिल्म का प्रीमियर देखा था, वहीं बताया कि उनकी मां रिलीज के पहले उनकी मूवीज नहीं देखतीं।

अच्छा करते देखना गर्व का पल

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा है, आह... कुछ भी हो बच्चे हमेशा सबसे सॉफ्ट स्पॉट होते हैं।

और जब वे कुछ उल्लेखनीय करते हैं तो गर्व से छाती और फूल जाती है। एक पिता के लिए हमेशा अपनी 'प्रोग्रेस रिपोर्ट' को फलते-फूलते और अच्छा करते देखना गर्व का पल होता है...

मैं दूसरे पिताओं से जरा भी अलग नहीं हूं। इस तरह की चीजों का जिक्र हमेशा भावनाएं और आंखों में आंसू ले आता है...

जया और ऐश ने नहीं देखा प्रीमियर

वहीं बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने बताया कि उनकी मां जया बच्चन ने प्रीमियर नहीं देखा था। क्योंकि वह इस मामले में थोड़ी अंधविश्वासी हैं।

रिलीज के पहले वह अभिषेक बच्चन की फिल्में नहीं देखतीं। अभिषेक ने बताया था,

9 अप्रैल को उनका जन्मदिन है और यह उनका बर्थडे गिफ्ट है। वह तभी देखेंगी।

कंगना रनौत स्टारर 'थलाइवी' की रिलीज डेट टली, 'सूर्यवंशी' और 'चेहरे' पहले से लिस्ट में शामिल

देश में एक बार फिर कोविड का कहर बढ़ता जा रहा है। एक तरफ जहां आम लोगों के साथ ही साथ सितारे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर फिल्मों की रिलीज पर भी संकट मंडरा रहा है। ऐसे में अब कंगना रनौत की थलाइवी की भी रिलीज टल गई है।

टल गई थलाइवी

बता दें कि ट्रेड एनालिस्ट व क्रिटिक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी

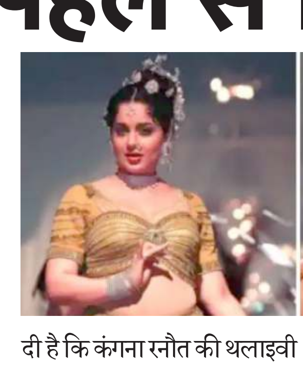

दी है कि कंगना रनौत की थलाइवी की रिलीज डेट टल गई है। तरण के पोस्ट के मुताबिक थलाइवी की टीम ने देश में बढ़ते कोविड केस के चलते ये फैसला लिया है।

पोस्ट में लिखा है कि फिल्म को पूरे देश में एक साथ रिलीज होना था, लेकिन कोविड के चलते अब फिल्म 23 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। बता दें कि फिल्म की नई तारीख का कोई जिक्र नहीं किया गया है।

अन्य फिल्मों की भी रिलीज टली

याद दिला दें कि थलाइवी के पहले अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म सूर्यवंशी की भी रिलीज टाल दी गई है। रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म बीते साल मार्च में रिलीज होनी थी, लेकिन कोरोना के चलते ऐसा नहीं हो पा रहा है। वहीं सूर्यवंशी के अलावा अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और रिया चक्रवर्ती की फिल्म चेहरे की भी रिलीज डेट टल चुकी है।

माही विज ने साझा की अस्पताल से बेटी के जन्म की तस्वीर

माही विज और जय भानुशाली टीवी के क्यूट कपल में से एक हैं। शादी के नौ साल बाद वे माता-पिता बने। माही ने डेढ़ साल पहले बेटी तारा को जन्म दिया था। उनके लिए यह एक भावुक कर देने वाला पल था।

अब एक पोस्ट कर उन्होंने डिलीवरी के अनुभव के बारे में बताया है।

डिलीवरी रूम से तस्वीर की पोस्ट

माही ने डिलीवरी रूम से एक तस्वीर पोस्ट की।

उन्होंने बेटी तारा को पकड़ा हुआ है। इस दौरान उनके पास ही जय भानुशाली भी हैं। दोनों ऊपर कैमरे की ओर देख रहे हैं। तस्वीर के साथ माही ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा।

मां बनने का अनुभव किया साझा

माही लिखती हैं कि 'अगर आपने सी-सेक्शन से बच्चे को जन्म दिया है तो यह सच में काफी चुनौती से भरा होता है। एक तरफ आप अपने बच्चे के बारे में सोचते हैं दूसरे ओर आपके शरीर में लगे टांकों का दर्द होता है क्योंकि यह सामान्य डिलीवरी से काफी अलग एहसास होता है। मुझे लगता है कि जिंदगी में जो कुछ भी होता है वह आपको और मजबूत बनाता है और हम जानते हैं कि हम महिलाओं से ज्यादा मजबूत कोई नहीं है।

उन सभी मांओं को जिन्होंने बच्चे को जन्म दिया, जो काफी कठिन रहा, याद रखिए जब हम अपने बच्चे को देखते हैं तो यह दर्द कुछ नहीं लगता।

बच्चे के रूप में यह सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

मां बनने के एहसास को जिएं क्योंकि मुझे पता है यह जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा है।'

दो बच्चों को लिया गोद

माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में शादी की थी। उनकी बेटी तारा का जन्म 2019 में हुआ।

वहीं साल 2017 में कपल ने अपने केयरटेकर के दो बच्चों को गोद लिया है।

कविता कौशिक ने बिग बॉस को बताया फेक

टीवी एक्ट्रेस कविता कौशिक (Kavita Kaushik) अपने बिंदास अंदाज और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। कविता को बीते दिनों बिग बॉस 14 (Bigg Boss 14) में देखा गया था। एक ओर जहां कविता का धाकड़ अंदाज फैन्स को पसंद आया था तो वहीं वो कई बार ट्रोल भी हुईं। ऐसे में अब कविता कौशिक ने बिग बॉस को फेक कहा है।

कुछ भी हो कंट्रोल किया जा सकता है

दरअसल कविता कौशिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में कविता योग करती नजर आ रही थीं।

वीडियो के साथ कैप्शन में कविता ने लिखा था- कुछ भी हो कंट्रोल किया जा सकता है।

फैन ने कही मन की बात

कविता के वीडियो पर कई फैन्स ने कमेंट किए।

ऐसे ही एक फैन ने लिखा- 'आपको बिग बॉस नहीं करना चाहिए था। मुझे नहीं पता लेकिन इसने आपकी इमेज को बहुत नुकसान पहुंचाया।

मैं आपका फैन हूं और आपके लिए जीवन में बहुत सारी अच्छी चीजों की कामना करता हूं।'

कविता ने दिया जवाब

फैन के कमेंट पर कविता ने जवाब देते हुए लिखा, 'ये ठीक है, वो कहते हैं कि न एक बार आपकी इमेज खराब हो जाए तो आप मुक्त हो जाते हैं। मैं उन लोगों को बिल्कुल भी तवज्जो नहीं देती जो किसी को फेक रियलिटी शो में देखकर प्यार या नफरत करते हैं।'

वास्तुकला छात्रों के लिए प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम - हुनरशाला, भुज, गुजरात

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आर्किटेक्चरल प्रैक्टिस की बारीकियों के बारे में स्पष्ट समझ विकसित करने के लिए प्रशिक्षण एक आवश्यक कौशल है। वास्तुकला के छात्रों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध हैं, जो वे जानकारी प्राप्त करने और अपने कौशल सेट को विकसित करने के लिए पूरा कर सकते हैं। हुनरशाला फाउंडेशन गुजरात के भुज में स्थित एक परोपकारी संगठन है, जो स्थायी आवासों की दिशा में काम कर रहा है। हुनरशाला भवन निर्माण डिजाइन, निपटान योजना, सामाजिक आवास, आपदा पुनर्निर्माण, अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली, बुनियादी ढांचे के विकास, आदि के लिए अपने ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। हुनर शाला में कौशल विकास के विभिन्न अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और गतिविधियों का टाइम टेबल उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाता है। बढ़ईगीरी कार्यशाला, कीचड़ निर्माण, मेहराब, गुंबद, ईंटों और मिट्टी के साथ फर्श, फर्श और दीवार परिष्करण वगैरह। एक छात्र पर अल्पावधि कार्यक्रम में भाग ले सकता है। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को मास्टर आर्टिस और निर्माण विशेषज्ञों के साथ बातचीत का अवसर मिलता है। कार्यशाला में उपभोग्य सामग्रियों के लिए बहुत कम शुल्क के साथ छात्रों को विशेषज्ञों के साथ खुद को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। हुनरशाला में मैनुअल और रेफरेंस बुक्स का भी निर्माण किया जाता है जो कि स्वदेशी प्रथाओं का दस्तावेजीकरण है और प्रकृति के साथ मिलकर काम करने की तकनीक प्रदान करती है। हर साल वास्तुकला के बहुत सारे छात्र ऐसी कार्यशालाओं में भाग लेते हैं। छात्रों को भवन निर्माण की प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और उपकरणों से परिचित कराया जाता है। उपकरणों के परिचय का उद्देश्य विशिष्ट कार्यों को करने के लिए प्रत्येक उपकरण के उचित उद्देश्यों के लिए इसके चयन को समझना है। इससे उन्हें काम के चरणों में भवन निर्माण की गतिविधि और सटीकता की समझ विकसित करने में मदद मिलती है। छात्र टीमों में काम करते हैं और नवीन विवरणों को विकसित करने में अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करना सीखते हैं। हुनरशला वर्कशोप में भाग लेना छात्रों के लिए प्रेरणादायक है और जीवन को बदलने वाले अनुभव साबित हो सकता है। ठाकुर स्कूल आर्किटेक्चर और प्लानिंग के छात्रों के लिए हुनरशाला में आयोजित बढ़ईगीरी कार्यशाला में, छात्रों ने विभिन्न दिलचस्प फर्नीचर का उत्पादन किया जो अद्वितीय और अभिनव हैं। फर्नीचर के नमूने संस्थान प्रदर्शनी क्षेत्र में प्रदर्शित किए गए हैं। हर साल छात्रों को ऐसे प्रमाणन कार्यक्रमों के लिए लिया जाता है जो पेशेवर प्रतियोगियों के बीच अग्रणी बढ़त प्रदान कर रहे हैं।

कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी छात्रों ने अपनी संतुष्टि और प्राप्त शिक्षाओं के माध्यम से भवन निर्माण की परियोजनाओं को संभालने में आत्मविश्वास वृद्धि व्यक्त की। अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in या http://www.hunnarshala.org/ पर देख सकते हैं।

वैक्सीन के बाद भी कॅरोना का प्रसार क्यों बढ़ा? कॅरोना टेस्टिंग किड से दो या दिन बार अलग अलग जगह टेस्ट होने पर रिजल्ट अलग अलग क्यों?

मुम्बई।कॅरोना देश भर में काफी कम हो गया था और उसको धीरे धीरे कम व खत्म करने के लिए वैक्सीन आई, जिससे कॅरोना का प्रसार कम होना चाहिए था लेकिन कॅरोना का प्रसार कम होने की बजाय बढ़ रहा है, आखिर क्यों? आखिर वैक्सीन का फायदा क्या है, जब कॅरोना देश भर में कम होने की बजाय बढ़ रहा है? कॅरोना मरीजो की संख्या बढ़ती जा रही है और उसमें भी वैक्सीन लगाने के बाद भी कॅरोना होनेवालों की संख्या भी जुड़ रही है।अभी हाल में दिल्ली के गंगा राम हॉस्पिटल के 30 से ज्यादा डॉक्टरों को कॅरोना हो गया, जो कि वैक्सीन लगा चुके थे। आखिर वैक्सीन लगाने का क्या फायदा है? जब कॅरोना मरीजो की संख्या में वैक्सीन लगाने वाले और नहीं लगाने वाले दोनो शामिल है? सभी वैक्सीन की जांच होनी चाहिए।क्यों कॅरोना देश मे फिर से बढ़ रहा है? कॅरोना बीमारी पर ठीक से असरदार नहीं है?क्यों वैक्सीन लगाने के बाद भी कॅरोना हो रहा है? सुनने में आया है कि एक ही व्यक्ति ने एक जगह कॅरोना टेस्ट किया तो निगेटिव आया और बाद में हॉस्पिटल में जाकर टेस्ट कराया तो

पोसिटिव रिजल्ट आया और उसे भर्ती होने को बोला तब वह भर्ती होने की बजाय दूसरी जगह जाकर फिर से कॅरोना टेस्ट कराया तो रिजल्ट निगेटिव आया। आखिर क्यों?क्या कॅरोना टेस्टिंग किड में ही गड़बड़ी है या यह टेस्ट किड ही ऐसा बनाया गया है? सारी कॅरोना टेस्टिंग किड की जांच होनी चाहिए। यहाँ तक कि हॉस्पिटल में भर्ती सभी मरीजों की कॅरोना टेस्टिंग दुबारा होनी चाहिए। आजकल मौसम बदलने के कारण कोई वायरल बीमारी हो रही है, जिसमे लोगों को 4 से 5 दिन तक बुखार होता है, बदन दर्द ,हल्की सी खाँसी व सर्दी हो रही है, जिसके कारण लोगो को लगता है कॅरोना हुआ है, जबकि वह कॅरोना नहीं है क्योंकि कई लोगों ने डर के कॅरोना टेस्ट भी कराया लेकिन उनको कॅरोना नहीं था।इसलिए सरकार को चाहिए कि इसकी भी जांच करें आखिर यह वायरल क्या है ?और कहीं ऐसा तो नहीं है कि कुछ लोग पैसा कमाने के हिसाब से उसे कॅरोना बता कर कमाने की कोशिश तो नहीं कर रहे है? इसके लिए लोगो को चाहिए कि हॉस्पिटल में भर्ती होकर लाखों खर्चा करने की जगह दो अलग अलग जगह से कॅरोना टेस्ट करवाने के बाद ही हॉस्पिटल में भर्ती हो। अब पूरे देश मे चुनाव करवा देना चाहिए?कम से कम इसका फायदा यह होगा देश मे कॅरोना नहीं फैलेगा और जनता भी सुरक्षित रहेगी क्योंकि जहाँ जहाँ चुनाव व चुनावी रैली निकाली जा रही है, वहाँ कॅरोना नहीं फैल रहा है और लोग बिना मास्क के हज़ारो व लाखों की संख्या में जमा हो सकते है?यदि पूरे देश मे इस समय चुनाव हो जाता है तो कम से कम देश मे कॅरोना कम हो जाएगा या भाग जाएगा, ऐसा सब देख के लगता है?कॅरोना कम करने का और भगाने का शायद इससे अच्छा उपाय नहीं है? यदि आज किसी भी चीज में सीबीआई जांच की जरूरत है तो कॅरोना बीमारी को लेकर, यह लोगो के समझ के परे है कि आखिर यह क्या है?

संजय शर्मा 'राज'

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor
Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

मुख रुपी द्वार का द्वारपाल हरि नाम है।

गुरु आज्ञा दे, तो समजना- जनमों की साधनाका हिस्सा तुम्हें दे दिया

(पांचवा दिन)

पतित पावनी गंगा के तट पर स्थित, पावन आश्रम में - आचार्य महामंडलेश्वरजी की आशीर्वादक छाया में - "मानस हरिद्वार" कथा चल रही है। पांचवे दिन की कथा में प्रवेश करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि हरि स्वयं अनंत है, और हरि की कथा भी अनंत है। ऐसा संत गण कहते भी है, सुनते भी है। और सब को इस बात की प्रतीति भी है। तुलसीदासजी कहते हैं कि जिसके विचार निर्मल है, वह कभी इस बात पर आश्चर्य नहीं जताते।

तुलसीजी कहते हैं कि “जिस प्रकार भवानीने प्रश्न किए, और जिस प्रकार महादेवजी ने उसे कथा सुनाई, ऐसी अति विचित्र कथा को मैं आपके सामने पेश करूंगा। ज्ञानी लोग कथा सुनते हैं, और कथा की अनंतता के बारे में उनको कोई आश्चर्य नहीं होता।“

परमात्मा के नाना प्रकार के अवतार है। क्योंकि शतकोटी रामायण है। एक कल्प में राम जन्म होता है, और इसके मुख्य पात्र भी हर कल्प में मिलते हैं। उन सभी की अनगिनत कथाएं है। बापू ने कहा कि " शास्त्र विधान है कि जो पुत्र न हो, जो शिष्य न हो, और जो शांत न हो - उन तीनों को वक्ता कथा नहीं सुना सकता। पर मैं आप सबको "बाप"कहता हूँ। और हमारे सौराष्ट्र की बोली में 'बाप' का एक अर्थ बेटा है। इसलिए आप सब कथा के अधिकारी बन जाते हैं। मेरा शिष्य तो कोई है ही नहीं। मेरे तो सभी 'फ्लावर्स' है। और मेरे दादाजी के अलावा मेरा कोई गुरु नहीं है।"

ठाकुर रामकृष्ण परमहंस ने कहा है कि “शिष्य को गुरु के माध्यम से ही परमात्मा तक जाना चाहिए। आपने यहाँ तक कह दिया, कि 'गुरु ही परमात्मा है।' - इसलिए तो हम गुरु को “साक्षात् परब्रह्म" कहते हैं। हम सब किसी न किसी गुरु के आश्रित है। अगर कोई व्यक्ति नहीं, तो कोई सद्ग्रंथ अपना गुरु है। रामचरितमानस भी "हरिद्वार" हैं। सवाल अटूट भरोसे का है। शास्त्र हमारा गुरु हो सकता है। ठाकुर के शब्दों में - "इष्ट ही खुद अपना गुरु बनकर आता है।" बापू ने अद्भुत चिंतन प्रस्तुत करते हुए कहा, कि अगर पांच वस्तु को स्वीकारने की हमारी तैयारी हो जाए, और इस स्वीकार के बाद गुरु की आंख भीग जाएं, तो समझना हमारे इष्ट ही गुरु बन कर आये है।

सबसे पहली बात- "आज्ञा पालन।" तुलसीदासजी कहते है

आज्ञा सम न सुसाहिब सेवा। सो प्रसाद जन पावई देवा।।

बुद्ध पुरुष की आज्ञा का पालन ही बुद्ध पुरुष की सबसे बड़ी सेवा है! गुरु कभी आदेश नहीं करते, लेकिन गोस्वामी जी कहते हैं कि - "आज्ञा तो गुरु के द्वारा दिया गया प्रसाद है। जिसे अपना बुद्ध पुरुष कोई आज्ञा दें, तो समझ लेना कि जन्म जन्म की साधना का हिस्सा वह हमें प्रसाद के रूप में दे रहा है!

प्रसाद चोरी करके नहीं पाया जाता, छीन कर नहीं लिया जाता, पैसों से खरीदा नहीं जाता, न ही मांगा जाता है! प्रसाद तो - "जन पावै देवा।" - यानी कि "वह जब दें, तभी हम पा सकते हैं।"

सूफी संत परंपरा के एक साधक शिबली और आपके गुरु जुनैद का बहुत ही रसप्रद किस्सा बापू ने सुनाया। गुरु जो भी आज्ञा देता है, शिबली उसका पालन करता है।और आखिर में गुरु जुनैद उसे आज्ञा देते है कि- "तू यहाँ से चला जा। क्यों बार-बार आता है?"

गुरु की इस आज्ञा को भी शिबली स्विकार कर लेता है, और वहाँ से निकल जाता है। तब गुरु की आंखें भर आती है, और वह शिबली को अपने पास बुला लेते हैं। शिबली के सारे द्वंद्व मिट जाते हैं। शिबली का आखिरी संदेश था - "जो साधु चिर शांति में रहता है, उसको चिराग की जरूरत नहीं।"

बापू ने कहा कि जो निरंतर शांत हो, उसके घर में शांति का उजाला होता है। बापू ने कहा कि गुरु से कुछ मांगना नहीं पड़ता। बिन मांगे ही मिल जाता है। हम क्यों गुरु को अल्पज्ञ समझते हैं? क्या उसको पता नहीं? क्या वह केवल पोथी पंडित है? नहीं, वह तो शब्दातीत है- सर्वज्ञ है। तो, आज्ञा पालन सबसे पहला सूत्र है।और कोई गुरु अगर आज्ञा नहीं देते, तो दूसरी बात है - संज्ञा पालन। अपने बुद्ध पुरुष की आंख से, या उसकी बॉडी लैंग्वेज पर से साधक गुरु की इच्छा को समझ लेता है। और उसी हिसाब से कर्म करता है। यह संज्ञा पालन है। तीसरा सूत्र है - यज्ञापालन। 'यज्ञा' माने यज्ञ की भस्म। हम यज्ञ की भस्म का पालन करें। हमारी साधना पद्धति में पांचों तत्तवों को भस्म माना गया है। अस्तित्व का निरंतर-प्रचंड, यज्ञ चल रहा है। उस की भस्म हो जाओ। अस्तित्व मय हो जाओ। भीतर तो यहपंच तत्व है ही, तु ईसे ही अपना वसन बना ले।

चौथा सूत्र है - "सर्वज्ञापालन" - अपने सद्गुरु को कभी भी अल्पज्ञ न समझे। वह सर्वज्ञ है। गुरु की सर्वज्ञता का प्रचार न करें, पर हम उसे समझने में चूक भी न करें।

और पांचवा सूत्र है -"अवज्ञा ना करें।" गुरु कि कहीं अवज्ञा ना हो जाए! कहीं चूक ना हो जाए- इस बात का ख्याल रखें।

पूज्य बापू ने कहा कि १०८ उपनिषद में से एक का नाम है - कृष्णोपनिषद। बहुत छोटा सा है। भगवान राम वनवास के दौरान चित्रकूट में बसें है।तब ऋषि मुनी देव आदि आकर कहते है कि-" प्रभु! आप मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर आए, इसलिए हम नृत्य का आनंद नहीं ले पाते। आपको आश्लेष में नहीं ले पाते। आप को गले नहीं लग सकते। इस बात की

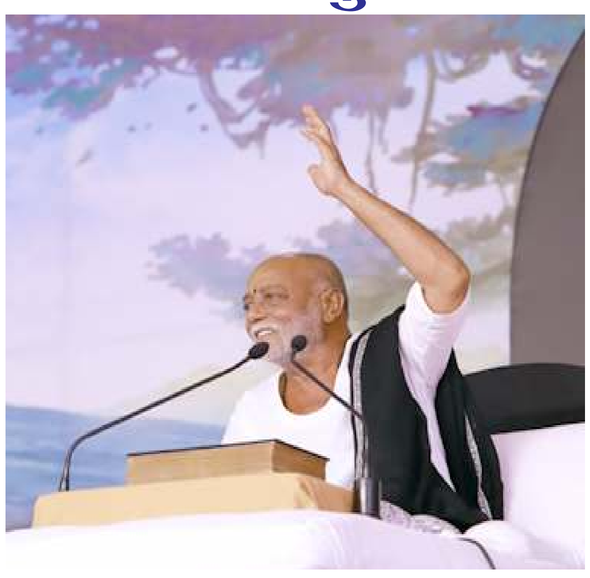

हमेंउपीडा है।

तब रामजी उन सब को कहते है कि -" "इसके लिए आपको कृष्णावतार तक राह देखनी पड़ेगी। मगर तब आप इस रुप में मुजे नहीं मिलोगे। आप को गोपीयां बन कर आना होगा!"

कृष्णोपनिषद में लिखा है कि - "भगवान राम ने कृष्ण के रुप में अवतार धारण किया, तब वह वैकुंठ से भूमि का टुकडा अपने साथ लेकर आयें। वह टुकडा 'गोकुल वन' है।परमात्मा आनंद स्वरुप है।आनंद स्वयं नंद बाबा बनकर आए। बुद्धि साक्षात यशोदा बनकर आई। नखशीख दया की मूर्ति देवकी है। नारदजी सुदामा बनकर आए।और स्वयं कलियुगने कंस बन कर जन्म लिया।वसुदेव स्वयं वेद है, बलराम और कृष्ण दोनों - वेद का तत्वार्थ है।

कलियुग की व्याख्या देते हुए बापू ने कहा कि - "जब कोई भजनानंदी साधु अपनी मस्ती में भजन कर रहा हो, और हमें लगे कि यह दंभ कर रहा है! - तब समझना कि कलियुग आ गया।"

कोरोना का बढता हुआ कहर देखकर बापू ने अपने सभी श्रोताओं से अनुरोध किया, कि इस के बाद रामपरा - राजुला में जो कथा होने जा रही है, उस छह दिनों में वहाँ किसी को भी आना नहीं है। सिर्फ राजुला के अगल बगल के देहातों से कुछ आमंत्रित श्रोताओं को ही पांडाल में आना है। विदेश के ही नहीं, देश के किसी भी प्रांत से भी कोइ न आये।महुवा या तलगाजरडा से भी कोइ न आयें। अगर हालात सही नहीं रहें, तो कथा बंध भी रखनी पडें। या फिर पांच-पंद्रह श्रोताओं के सामने कथा गान करेंगे।

कोरोना से सावधानी बरतने की बापुने सभी को अपील की। बापू ने कहा कि "पुरा देश अनिश्चितता में जी रहा है, तब हम भी हमारा उत्तर दायित्व नीभाऐं। पुरी तरह से सतर्कता रखें और सभी नियमों का पालन करें।"

कथा के चिंतन में आज बापूने कहा कि - "मुख रूपी द्वार का द्वारपाल हरिनाम है। हमारे मुख के उपर का ओष्ठ 'र' कार है, और नीचे का ओष्ठ 'म' कार है। मुख जब राम नाम जपे, तब समजना कि द्वारपाल अपनी डयूटी निभा रहा है।"

कथा के क्रम में आज मा भवानी भगवान शिवजी से राम कथा के श्रवण के लिए जिज्ञासा करती है। तब भगवान भवानीजी को रामजन्म की कथा सुनाते है। हरिद्वार में राम जन्म की सब को बधाईयां देते हुए, पूज्य बापू ने आजकी कथा को विराम दिया।

विविध कर्म अशांतिप्रद है और विविध मत शोकप्रद है

दिन छ

गंगा तट पर हरिहर आश्रम के तत्वावधान में आयोजित "मानस हरिद्वार" कथा के आज छठे दिन, पूज्य बापू ने आरंभ में एक जिज्ञासा के समाधान में कहा कि "सुख-दु:ख, स्वीकार-अस्वीकार, रात- दिन, जड़-चेतन जीव-शिव, पाप- पुण्य, आना- जाना... यह सब सापेक्ष है- एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे ही खल और भल भी सापेक्ष होता है।कौन खल और कौन भल? इसकी पहचान के लिए हमें मार्गदर्शक की जरूरत पड़ती है। ऐसे मार्गदर्शक को हम गुरु कहते हैं। शंकर मत अनुसार ज्ञान द्वैत को खत्म करता है और एकत्व तरफ ले जाता है। साधु ज्ञानी हो ना हो, विवेकी अवश्य होता है।तुलसीदासजी साधु को हंस कहते हैं, जो अच्छे-बुरे का भेद स्पष्ट कर देता है। ऐसे विवेकी बुद्ध पुरुष की हमें आवश्यकता रहती है। हर एक काल में कंस भी होता है, कृष्ण भी होता है। राम होता हैं, रावण भी होता है। प्रहलाद होता है और हिरण्यकशिपु भी होता है। हमें ऐसे व्यक्ति की तलाश रहती है, जो हमें इन दोनों की पहचान करवाएं। कथा में वक्ता बहुत सारी बातें कहता हैं, लेकिन उसमें से क्या ग्रहण करना और क्या छोड़ देना - यह श्रोता के विवेक पर निर्भर करता है। सत्संग के बिना विवेक

नहीं होता, और राम कृपा के बिना सत्संग नहीं मिलता।अब प्रश्न यह होगा कि कृपा कैसे उतरें? तुलसीदास जी इसका जवाब देते हैं - "मन क्रम वचन छांडी चतुराई...." जब हम चतुराई छोड़ दें, तभी कृपा उतरती है।

बापू ने कहा कि परमात्माने जड़-चेतन, गुण-दोष मय यह विश्व बनाया है। जिसमें संत, हंस की तरह होता है- जो गुण ग्रहण कर लेता है। प्रकाश और अंधेरा हर युग में रहता है।अगर अंधकार नहीं है, तो प्रकाश की महत्ता कैसे पहचानोगे? प्रकाश की ओर जाने के लिए भी अंधेरे की जरूरत होती है। इसलिए प्रकाश और अंधकार दोनों, सदैव साथ साथ चलते हैं। अन्य जिज्ञासा के संदर्भ में बापू ने कहा कि तुलसीदासजी ने तीन प्रकार के जीव बताए हैं - विषयी, साधक और सिद्ध। जीव कर्म किए बिना क्षण भर भी रह नहीं सकता। तीनों प्रकार के जीव कर्म की जाल बुनते रहते हैं। तुलसीदासजी कहते हैं की विध विध कर्म भी अधर्म है। उपनिषद कहता है कि विविध प्रकार के कर्म से कभी शांति नहीं मिलेगी। और अशांति ही अधर्म है। हमारे जैसे सभी जीव, कर्म में जुड़े हुए रहते हैं, और कर्म से जीव को शांति नहीं मिलती। जैसे विध विध कर्म है, ऐसे ही विध विध मत भी है। जैसे विविध कर्म अधर्म है, ऐसे ही विध विध मत शोकप्रद है।बापू ने कहा कि काल के परिप्रेक्ष्य में कुछ बातें सनातन होती है, जिसे बदला नहीं जा सकता। हम अनेक कर्म और अनेक मत से बद्ध है।इससे हम अशांति और शोक में जीते हैं। तुलसीदासजी विश्वास और विनम्रता से कहते हैं कि इस जाल में से निकलने के लिए रामपद में अनुराग करें। तुलसीदासजी कहते हैं कि मैं ने रामपद पर अनुराग किया, इसका अनुभव करके मैं आपको यह सीख देता हूं।बापू ने कहा कि तुम्हारा बुद्ध पुरुष जो मार्ग दिखाएं, उस पर अनुगमन करना। बापू ने कहा कि "विषयी को शिक्षा देना, साधक को दीक्षा देना, और सिद्ध को भिक्षा देना। विषयी को कभी दीक्षा मत देना, और साधक को कभी शिक्षा मत देना। बापू ने कहा कि दया सामूहिक होती है। पर कृपा पात्र को ही मिलती है। कृपा सार्वजनिक नहीं हो सकती।

मानस की बानी मृदु भी है और गूढ भी है। ऐसी मृदु बानी ही श्रोता की बुद्धि के द्वार खोल देती हैं।

बापू ने कहा कि आपकी दृष्टि में विषयी, साधक और सिद्ध के उपरांत जीव का चौथा एक प्रकार है- शुद्ध। इस चौथे प्रकार के जीव को प्रसाद चाहिए - सद्गुरु का कृपा प्रसाद। और यदि आपने प्रसाद पाया है, तो आप बांटे बिना रह नहीं सकोगे! बांटना ही पड़ेगा! मैं भी तो मेरे त्रिभुवन दादा के प्रसाद को बांटता फिरता हूं। द्वार की चर्चा करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि काम नर्क का द्वार है।धर्म वैराग्य का द्वार है।और धर्म का फल दु:ख है।अपनी नहीं बल्कि औरों की पीड़ा देखकर दुख होता है।अर्थ के दो द्वार है - प्रारब्ध और पुरुषार्थ। मोक्ष का द्वार देह है।

बापू ने कहा कि पाप कर्म दुर्गति देता है, पुण्य कर्म स्वर्ग देता है। तीसरा है आत्म कर्म, जो उजाला प्रकट करता है। चौथा है - झूठा कर्म, जो अंधेरे के सिवा और कुछ नहीं दे सकता।और साधु कर्म- ब्रह्म कर्म, शांति देता है। उपाधि नहीं, समाधि देता है। हमारे बुद्ध पुरुष के मृदु और गुढ वचन सुनने से हमारे बंद द्वार खुल जाते हैं।

बापू ने कहा कि जो कामी होगा, वह सदा गाएगा। कामी गाए बिना नहीं रह सकता।और क्रोधी कभी गा नहीं सकता। लोभी को गाना आता हो, फिर भी वह गाएगा नहीं। परशुरामजी के संदर्भ में पूज्य बापू ने कहा कि भगवान राम की मृदु और गुढ वाणी सुनकर, क्रोध से भरे परशुरामजी भी गाने लगते हैं। कथा के क्रम में पूज्य बापू ने चारों भाइयों के नामकरण के बाद गुरुसे शिक्षा पाना और विश्वामित्र ऋषि द्वारा राम-लक्ष्मण को साथ में लेकर यज्ञ रक्षा के लिए निकलना।असुरों के वध के बाद, यज्ञ रक्षा करके आगे जाकर अनसूया का उद्धार, और जनकपुरी में धनुषयज्ञ के बाद परशुरामजी की विदाई, चारों भाइयों के लग्न, बाद में कन्या विदाई का अश्रुपूर्ण वर्णन, सबका अयोध्या में वापस लौटना और विश्वामित्र ऋषि की विदाय के साथ बालकांड का समापन करते हुए, पूज्य बापू ने आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।